दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-99 | झुंझुनू (राजस्थान) | रविवार, 1 मार्च, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

जिस दिन हम अपने अधिकारों से पहले अपने कर्तव्यों को याद रखने लगेंगे, उसी दिन समाज में परिवर्तन स्वतः दिखाई देने लगेगा।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

ED के हेड कॉन्स्टेबल को 13 लाख रिश्वत लेते पकड़ा

2 लाख पहले ले चुका, जयपुर ACB टीम ने सीकर में होटल से गिरफ्तार किया

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीकर । एंटी करप्शन ब्यूरो जयपुर की टीम ने शनिवार को सीकर में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। टीम ने कल्याण सर्किल पर अशोका होटल में ED के हेड कॉन्स्टेबल उत्तम पांडे को 13 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। हेड कॉन्स्टेबल से पूछताछ जारी है। उत्तम पांडे ने पीड़ित से 15 लाख की डिमांड की थी। 2 लाख रुपए वह पहले ही ले चुका था और अब 13 लाख रुपए लेने के लिए सीकर आया था। जानकारी के अनुसार, पीड़ित एक CA है। उसे आरोपी हेड कॉन्स्टेबल लगातार धमकियां दे रहा था कि आरोपी बना दूंगा, पैसा दो। आरोपी हेड कॉन्स्टेबल उसे कहता कि वह ईडी में बड़ा अधिकारी है। आरोपी हेड कॉन्स्टेबल पीड़ित पर लगातार दबाव बना रहा था। इस पर पीड़ित ने दो लाख तो पहले ही दे दिए। इसके बाद पीड़ित ने जयपुर एसीबी में शिकायत की। हेड कॉन्स्टेबल को पकड़ने के लिए एसीबी ने पूरा जाल बिछाया। शिकायत का सत्यापन होने पर एसीबी ने पीड़ित को 11 लख रुपए के डमी नोट दिए। आज जो 13 लख रुपए पीड़ित देने के लिए आया, उसमें से 11 लाख डमी नोट से। बाकी 2 लाख असली थे। हेड कॉन्स्टेबल ने होटल के बाहर रिश्वत ली। रिश्वत लेकर वह जैसे ही अंदर जाने लगा तो एसीबी ने उसे दबोच लिया।

वॉट्सएप कॉल कर पैसे की डिमांड करता था

मोहम्मद शकील के खिलाफ एक मामला चंडीगढ़ ED में दर्ज है। इसके जांच अधिकारी असिस्टेंट डायरेक्टर अतुल गुप्ता हैं। उनकी ओर से जारी किए गए समन की तामील करवाने के लिए हेड कॉन्स्टेबल उत्तम पांडे ने परिवादी से संपर्क किया। उसने परिवादी को आरोपी नहीं बनाने के नाम पर 20 लाख की डिमांड की थी। आरोपी उत्तम पांडे वॉट्सएप पर परिवादी से बातचीत करके पैसों की डिमांड करता था।

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

इलाज के नाम पर सच और झूठ का खेल – जब तक चेतना नहीं, तब तक व्यवस्था नहीं

स्वास्थ्य योजनाएं किसी भी सभ्य समाज की संवेदनशील पहचान होती हैं। इनका उद्देश्य होता है कि अंतिम पंक्ति में खड़ा व्यक्ति भी बिना भय और बोझ के इलाज पा सके। लेकिन आज की कड़वी सच्चाई यह है कि इलाज और वसूली, सेवा और सौदेबाज़ी के बीच की रेखा धुंधली होती जा रही है। निजी अस्पतालों में मेडिकल क्लेम कार्डों के नाम पर जो कुछ चल रहा है, वह केवल व्यवस्था की कमजोरी नहीं, बल्कि एक संगठित नेटवर्क का परिणाम है–जिसमें सच कम और झूठ ज़्यादा है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

यह मान लेना कि कानून को और कठोर बना देने से, या कार्ड की प्रक्रिया को और जटिल कर देने से यह गोरखधंधा रुक जाएगा, अपने आप में एक भ्रम है। कागज़ पर कानून जितने भी सख्त क्यों न हों, ज़मीन पर जब तक नीयत नहीं बदलेगी, तब तक परिणाम नहीं बदलेंगे। आज समस्या केवल अस्पताल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह गांव-गांव फैले उस कमीशनखोरी नेटवर्क तक पहुँच चुकी है, जो कार्डधारकों की तलाश में घूम रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में एक नया 'व्यवसाय' पनप चुका है। दलाल, बिचौलिए और तथाकथित समाजसेवी घर-घर जाकर कार्डधारकों को यह समझाते हैं कि 'इलाज फ्री है ', 'जांच करवा लो ', 'अस्पताल ले चलेंगे ', 'एम्बुलेंस फ्री आएगी '। बीमारी हो या न हो, मानसिक रूप से बीमारी का डर पैदा कर लोगों को अस्पताल की दहलीज तक पहुंचाया जा रहा है। गांव से शहर तक एंबुलेंस दौड़ रही हैं–मरीज कम, कार्ड ज़्यादा।

अस्पताल पहुँचते ही यह नेटवर्क आगे बढ़ जाता है। वहां मौजूद काउंसलर, एजेंट और मार्केटिंग से जुड़े लोग जांचों की एक लंबी सूची थमा देते हैं। सामान्य व्यक्ति, जिसे लगता है कि जेब से पैसा नहीं जा रहा, बिना सवाल किए सब कुछ स्वीकार कर लेता है। यही वह बिंदु है, जहाँ सच इलाज पीछे छूट जाता है और झूठा इलाज आगे आ जाता है। सच यह है कि कई बार इलाज ज़रूरी होता है। सच यह भी है कि आधुनिक जांचें जीवन रक्षक हो सकती हैं। लेकिन झूठ यह है कि हर मरीज को भर्ती करना ज़रूरी है। झूठ यह है कि हर जांच अनिवार्य है। झूठ यह भी है कि 'सरकार दे रही है' तो संसाधनों का दुरुपयोग कोई अपराध नहीं। यही झूठ धीरे-धीरे योजनाओं की आत्मा को खोखला कर रहा है।

इस पूरे खेल में अस्पताल प्रबंधन ने मार्केटिंग की नई एजेंसियाँ खड़ी कर ली हैं। ये एजेंसियाँ मरीज नहीं, बल्कि कार्ड खोजती हैं। जितना ज़्यादा क्लेम, उतना ज़्यादा मुनाफा। नर्सिंग स्टाफ, तकनीकी कर्मचारी और ज़मीनी स्वास्थ्यकर्मी आज भी सीमित वेतन और असुरक्षित हालात में काम कर रहे हैं, जबकि असली कमाई प्रबंधन और नेटवर्क के हाथों में सिमट जाती है। यह असमानता भी इस व्यवस्था का एक बड़ा सच है, जिसे अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। लेकिन केवल अस्पताल और नेटवर्क को दोष देना भी अधूरा सच होगा। इस व्यवस्था को चलाने में हमारी सामूहिक मानसिकता भी कहीं न कहीं जिम्मेदार है। जब तक आम व्यक्ति यह नहीं समझेगा कि हर जांच जरूरी नहीं, हर भर्ती फायदेमंद नहीं और हर सुविधा मुफ्त नहीं होती–तब तक यह चक्र चलता रहेगा। जब तक लोग बिना जरूरत जांच की पर्चियाँ लेकर, दवाइयों की थैलियाँ उठाए घूमते रहेंगे, तब तक योजनाओं का दुरुपयोग रुकने वाला नहीं है।

असल बदलाव कानून से नहीं, मानसिक परिपक्वता से आएगा। मरीज को भी सवाल पूछने होंगे– 'यह जांच क्यों? ', 'भर्ती क्यों? ', 'कोई दूसरा विकल्प? '। समाज को यह समझना होगा कि योजना का उपयोग और दुरुपयोग के बीच फर्क क्या है। जरूरतमंद का हक तभी बचेगा, जब गैर-जरूरतमंद खुद पीछे हटना सीखेगा। यह आलेख डॉक्टरों या चिकित्सा विज्ञान के खिलाफ नहीं है। यह उस सोच के खिलाफ है, जिसने इलाज को व्यापार और बीमारी को अवसर बना दिया है। अगर आज सच और झूठ के इस फर्क को नहीं पहचाना गया, तो कल वही योजनाएँ, जो आज जीवन रेखा हैं, अविश्वास और संदेह का कारण बन जाएँगी। स्वास्थ्य सेवा तभी बचेगी, जब सरकार की निगरानी, अस्पताल की नैतिकता और नागरिक की चेतना–तीनों एक साथ जागें। वरना कार्ड तो चलते रहेंगे, एंबुलेंस भी दौड़ती रहेंगी, लेकिन इलाज कहीं पीछे छूट जाएगा।

विवेकानन्द स्कूल की दो छात्रा व कोच लीना कुमारी का राजस्थान खेल गौरव पुरस्कार के लिए चयन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंड्रेला।

मंड्रेला रोड़ स्थित विवेकानन्द पब्लिक सेकेंडरी स्कूल, चिड़ावा की छात्राएं उद्दीप्ति सैनी , हीया शर्मा व कोच लीना कुमारी का चयन राजस्थान खेल गौरव पुरस्कार के लिए हुआ है। यह सम्मान समारोह 1 मार्च 2026 को कोटा स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। उद्दीप्ति सैनी ने गतका में राष्ट्रीय स्तर पर अंडर-14 टीम में रजत, व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य तथा इंडो किक राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। हीया शर्मा ने गतका राष्ट्रीय प्रतियोगिता में टीम स्पर्धा में रजत एवं इंडो किक में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। कोच लीना कुमारी ने सीनियर गतका चैंपियनशिप में दो रजत, अस्मिता खेलो इंडिया पेंचक सिलाट में रजत पदक प्राप्त किया है तथा वे बिहार में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में राजस्थान टीम की मैनेजर भी रह चुकी हैं। आयोजन समिति के कन्वीनर गोपाल सिसोदिया अनुसार कार्यक्रम लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के सानिध्य में होगा। भारतीय खेल विकास परिषद के पदाधिकारियों अध्यक्ष भुनेश सैनी, सचिव विक्रम सिंह , विद्यालय निदेशक शिवचन्द सैनी, सचिव कोशी सैनी, प्रिंसिपल विनोद कुमार सैनी व समस्त स्टाफ ने चयनित खिलाड़ियों व कोच को शुभकामनाएं दी हैं।

रायपुर अहिरान की जिया यादव ने राष्ट्रीय साइकिलिंग प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

थाना क्षेत्र के गांव रायपुर अहिरान की होनहार खिलाड़ी जिया यादव, पुत्री विनोद कुमार, ने एक बार फिर क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। जिया ने 18-19 फरवरी 2026 को हैदराबाद, तेलंगाना में आयोजित दूसरी राष्ट्रीय साइकिलिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। जिया इससे पूर्व भी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी हैं। स्पेशल ओलंपिक्स भारत द्वारा आयोजित साइकिलिंग की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उन्होंने लगातार तीन वर्षों तक पदक जीतकर उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित की है। वर्ष 2023 में गुरुग्राम में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जिया ने रजत पदक प्राप्त किया। इसके पश्चात वर्ष 2024 में पंचकूला में आयोजित प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं वर्ष 2025 में बोकारो इस्पात नगर, झारखंड में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। लगातार राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही जिया यादव की इस उपलब्धि से क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है। ग्रामीणों एवं खेल प्रेमियों ने जिया तथा उनके परिवार को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। जिया की सफलता क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बन रही है।

स्व. रामकिशन सियाग की पुण्यतिथि पर 800 यूनिट रक्तदान

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । समाजसेवी स्व. रामकिशन सियाग की 15वीं पुण्यतिथि पर नोखा रोड भीनासर चुंगी चौकी के सामने स्थित स्व. रामकिशन सियाग फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा, पीबीएम अस्पताल ब्लड बैंक के सहयोग से विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। प्रातः 8 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक चले शिविर में 800 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। ट्रस्टी एवं रक्तदान ब्रांड एम्बेसडर बिशनाराम सियाग ने बताया कि शिविर में 40 टेबलों की व्यवस्था की गई थी तथा पीबीएम अस्पताल के डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की टीम मौजूद रही। लगभग 2050 रक्तदाताओं ने पंजीकरण करवाया, लेकिन समय और व्यवस्थाओं के अनुरूप 800 यूनिट रक्त ही संकलित किया जा सका। शिविर में युवाओं का उत्साह उल्लेखनीय रहा। बिशनाराम सियाग ने रक्तदाताओं एवं आपातकालीन संकल्प पत्र भरने वाले युवाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले 15 वर्षों से लगातार मिल रहे सहयोग के कारण यह शिविर सफल होता आया है। ऐसे आयोजनों से संभाग के सबसे बड़े अस्पताल में आपात स्थिति के दौरान रक्त की कमी नहीं रहती।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अजमेर दौरे में खेतड़ी से कार्यकर्ता हुए शामिल

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

हर्ष स्वामी । पीएम मोदी के आज अजमेर दौरे को लेकर खेतड़ी क्षेत्र में खासा उत्साह देखा गया। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए खेतड़ी से भी भाजपा कार्यकर्ता अजमेर के लिए रवाना हुए। जानकारी के अनुसार पांच गाड़ियों के माध्यम से कार्यकर्ताओं का जत्था अजमेर के लिए प्रस्थान किया। कार्यकर्ता विधायक इंजी. धर्मपाल गुर्जर के नेतृत्व में अजमेर पहुंचें। इस दौरान मंडल अध्यक्ष प्रभु राजोता सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। रवाना होने से पूर्व कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में विकास कार्यों को नई दिशा मिली है और अजमेर का यह कार्यक्रम भी ऐतिहासिक साबित होगा।

वीरांदेवी रामचन्द्र झंवर आदर्श विद्या मंदिर शिक्षण संस्थान का राज्यपाल बागड़े ने किया लोकार्पण

बीकानेर ज़िले की नोखा तहसील के सारुंडा गांव में किया लोकार्पण

शिक्षकगण विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा दे जो उनकी बौद्धिक क्षमता बढ़ाये- हरिभाऊ बागड़े, राज्यपाल

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शनिवार को नोखा तहसील के सारुंडा गाँव में वीरांदेवी रामचन्द्र झंवर आदर्श विद्या मंदिर शिक्षण संस्थान का लोकार्पण किया। वीरांदेवी रामचन्द्र झंवर चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से इस शिक्षण संस्थान का निर्माण पौने तीन करोड़ की लागत से किया गया है। इस अवसर पर लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए बागड़े ने कहा कि शिक्षकगण विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा दे जो उनकी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाए।केवल पाठ्यपुस्तक ही ना पढ़ाकर अन्य पुस्तकें भी पढ़ाएँ और विभिन्न गतिविधियाँ भी संचालित करें ताकि बच्चों का बौद्धिक विकास हो और उनकी वैचारिक शक्ति भी बढ़े। जो स्कूल ऐसा करेंगे वही सफल होंगे। अन्यथा विद्यार्थी केवल डिग्री लिए घूमते नज़र आयेंगे।बागड़े ने कौशल विकास बढ़ाने पर भी ज़ोर दिया।

अंग्रेज़ों ने 8 लाख गुरुकुल और स्कूल बंद करवाए

बागड़े ने कहा कि अंग्रेज़ जब भारत आए तो यहाँ 8 लाख गुरुकुल और स्कूल थे जिन्हें अंग्रेजों ने बंद करवा दिए। अंग्रेज़ों ने देश को ग़ुलाम बनाने के लिए हमारी शिक्षा पद्धति को बदला और हम 1835 से 2020 तक अंग्रेज़ों की शिक्षा पद्धति को ग्रहण करते आए हैं जिसे 2020 में बदला गया है। शिक्षा पद्धति पहले बदल जाती तो अब तक उसका बहुत प्रभाव नज़र आता।श्री बागड़े ने कहा कि विद्या भारती बच्चों के बौद्धिक और शारीरिक विकास पर जोर देता आया है। इससे पूर्व समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल बागड़े का वीरांदेवी रामचन्द्र झंवर चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से साफा पहनाकर और श्रीफल भेंट कर स्वागत किया गया। साथ ही निम्बाराम, विद्या भारती के गोविंद कुमार, पूर्व संसदीय सचिव कन्हैया लाल झंवर, राज्यपाल के सचिव एवं ज़िले के पूर्व जिला कलेक्टर डॉ . पृथ्वी का भी साफ़ा पहना कर स्वागत किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की प्रतिमा के आगे अतिथियों की और से दीपक जलाकर कर की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वीरांदेवी रामचन्द्र झंवर चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रधान ट्रस्टी श्रीनिवास झंवर ने की। विद्या भारती के गोविन्द कुमार ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश भर में विद्या भारती के 13 हज़ार और राजस्थान में कुल 950 स्कूल चल रहे हैं। जहाँ से बड़ी संख्या में असामान्य प्रतिभाएँ निकल कर आई है जो देश भर में विभिन्न क्षेत्रों में काम करते हुए देश का नाम रोशन कर रहे हैं।जिसमे थल सेना अध्यक्ष श्री उपेंद्र द्विवेदी भी शामिल है।वीरांदेवी रामचन्द्र झंवर चेरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी सुनील झंवर ने विद्या भारती परिवार का आभार जताया और कहा कि सीमावर्ती गांव सारुंडा जहाँ स्कूल बना है वह तीन ज़िलों से लगता गाँव है यहाँ से जोधपुर, फलौदी और नागौर तीनों जिलों की सीमाएं 15-15 किमी दूर है। साथ ही ट्रस्ट की ओर से जोरावरपुरा में शिशु वाटिका बनाने की घोषणा भी की। विद्या समिति की उपाध्यक्ष अभिलाषा झंवर ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि जिले में विद्या भारती ने 35 वर्ष पूर्व जो बीज बोया वो अब वटवृक्ष बन चुका है। किरण झंवर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन श्री शिव नारायण झंवर व राजेंद्र सिंह ने किया। कार्यक्रम में निंबाराम, पूर्व संसदीय सचिव कन्हैया लाल झंवर, राज्यपाल के सचिव डॉ पृथ्वी, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, एसपी कावेंद्र सागर, विनायक शर्मा, जिला उद्योग संघ अध्यक्ष डीपी पचीसिया, राजाराम धारणियाँ, हनुमान सिंह, ममता झंवर, निर्मल झंवर, पवन झंवर, मुकेश झंवर, भागीरथ झंवर समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

केजरीवाल का बा इज़्ज़त बरी होना 'सत्यमेव जयते'- सुखविंदर सिंह गिल

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को कोर्ट द्वारा बा इज़्ज़त बरी करने पर टोहाना से आम पार्टी नेता व हरियाणा प्रदेश संयुक्त सचिव सुखविंदर सिंह ने कहा कि केजरीवाल को शराब घोटाले से बा इज़्ज़त बरी होना सत्यमेव जयते है। उन्होंने कहा कि आज सच्चाई की जीत हुई है और झूठे केस बनाने वालों का झूठा चेहरा जनता के सामने आया है। जनता इसका वाजिब जवाब देगी। केजरीवाल व आम आदमी पार्टी कट्टर ईमानदार थे और कट्टर ईमानदार हैं यह कोर्ट के फैसले ने भी साबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह देश की जनता से अपील करते हैं, खासकर हरियाणा की जनता से कि वह ईमानदार लोगों का साथ दे ताकि हरियाणा प्रदेश को भी उन्नति के पथ पर लाया जा सकें।

डिजिटल दुनिया में अपने बच्चे को ऐसे रखें सुरक्षित

इंटरनेट पर हमारी निर्भरता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। इंटरनेट हमारे लिए जितना जरूरी है, अगली पीढ़ी के लिए उससे कहीं ज्यादा। दूसरी ओर देखा जाए तो इस दुनिया में शामिल होने के कुछ नुकसान भी हैं। इंटरनेट की दुनिया में कैसे रखें अपने बच्चे को सुरक्षित, बता रही हैं स्वाति शर्मा

भाई साहब के फोन और लैपटॉप को कोई हाथ नहीं लगा सकता। आधा व्यापार तो वे इसी के जरिये करते हैं। बुआ जी को शाही पनीर बनाना था, यू-ट्यूब खोला और सीख लिया। अब घर में शांति भी बनी रहती है। वो क्या है कि पिता जी का ज्यादा समय अब फोन में ही बीतता है और घर वालों की कमियां उन्हें कम नजर आती हैं। मम्मी भी चारदीवारी की दुनिया से इस छोटे से यंत्र के जरिए बाहर निकल अपनी सखियों से बातें कर लेती हैं। बचपन की सहेलियां बरसों बाद फिर मिल गई हैं और वॉट्सएप ग्रुप में चैटिंग होने लगी है।

इंटरनेट पर हमारी निर्भरता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। इंटरनेट हमारे लिए जितना जरूरी है, अगली पीढ़ी के लिए उससे कहीं ज्यादा। दूसरी ओर देखा जाए तो इस दुनिया में शामिल होने के कुछ नुकसान भी हैं। भाई साहब के फोन और लैपटॉप को कोई हाथ नहीं लगा सकता। आधा व्यापार तो वे इसी के जरिये करते हैं। बुआ जी को शाही पनीर बनाना था, यू-ट्यूब खोला और सीख लिया। अब घर में शांति भी बनी रहती है। वो क्या है कि पिता जी का ज्यादा समय अब फोन में ही बीतता है और घर वालों की कमियां उन्हें कम नजर आती हैं।

संकेत जो बताते हैं कि आपके बच्चे को है स्मार्टफोन की लत, जानें

पर, अरे ये क्या? जब छोटू की नेट चलाने की बारी आई तो उसे डांट कर भगा दिया। वो भी ये कहते हुए कि ये इंटरनेट उसके काम की चीज नहीं है, बड़े हो जाओ तब मिलेगा। वाह, मोहतरमा किस जमाने में जी रही हैं? ये आगे बढ़ता संसार है और इसमें इंटरनेट यदि आपके बेहद काम की चीज है तो आपके बच्चे के लिए भी किसी वरदान से कम नहीं है। किताब में जब बच्चा इंटरनेट के इस्तेमाल के बारे में पढ़ता है तो वहां भले ही इंटरनेट के कुछ गिने-चुने इस्तेमाल ही लिखे होते हैं, लेकिन हकीकत में यह जीवन की अहम जरूरतों में से एक हो चुका है। फिर आप अपने लाडले को इससे भला कैसे दूर रख सकती हैं? आपकी चिंता अपनी जगह जायज है, लेकिन उसकी जरूरत को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। आपको उसे दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना भी तो सिखाना है। थोड़ी सतर्कता और सही, सीख देकर आप बच्चे को निश्चिंत होकर इस ई-दुनिया का हिस्सा बना सकती हैं।

हानिकारक है सिक्के का दूसरा पहलू

सुविधाओं के लाभ के साथ हानियां भी जुड़ी होती हैं। इंटरनेट के साथ भी यही बात लागू होती है और शायद यही पक्ष आपको भी चिंतित करता है। इंटरनेट हम फोन या कंप्यूटर के माध्यम से इस्तेमाल करते हैं। इससे निकलने वाली रोशनी के आगे ज्यादा देर बैठने से आंखों पर बुरा असर पड़ता है, वहीं रात में इसका इस्तेमाल नींद प्रभावित करता है। ज्यादा देर इंटरनेट के इस्तेमाल से बच्चे का खेलना-कूदना कम हो जाता है और उसके शारीरिक विकास पर असर पड़ता है। वहीं, इंटरनेट की फ्रिक्वेंसी उसके दिमाग को भी प्रभावित करती है।

उम्र के अनुसार पेश आएं

दस साल की उम्र तक के बच्चे को इंटरनेट का इस्तेमाल आप अपने सामने ही करने की अनुमति दें। यदि वो कार्टून, ई-स्टोरी या पढ़ाई से संबंधित कुछ भी इंटरनेट पर देखना चाहता है तो खुद उसके साथ बैठकर दिखाइए। ई-गेम्स खेलने में भी यह सतर्कता जरूरी है। खुद तय करें कि बच्चा किस तरह के खेल खेल सकता है। 11 से 14 साल तक के बच्चे में थोड़ी समझ विकसित हो चुकी होती है और वो सही-गलत का कुछ अंतर समझने लगते हैं। ऐसे में आपको पहले अपने बच्चे का मिजाज समझना जरूरी है। यदि वो समझदार है तो कुछ देर अपनी मर्जी से इंटरनेट चलाने की अनुमति दी जा सकती है, लेकिन यदि आप निश्चिंत नहीं हैं तो खुद की देखरेख में ही उसे इंटरनेट का इस्तेमाल करने दें। बच्चे से इंटरनेट से जुड़ी बातें करती रहें और उनके सवालों के जवाब तलाशने में मदद करती रहें। कोई भी ऐसी परिस्थिति न खड़ी होने दें, जिससे बच्चा छिपकर इंटरनेट चलाने लगे। इससे ज्यादा उम्र के बच्चे खुद ही इंटरनेट चलाने लगते हैं, ऐसे में आप उन्हें इंटरनेट पर सुरक्षित रहने के टिप्स देती रहें। साथ ही बच्चों से उनकी इंटरनेट की गतिविधियों की जानकारी लेती रहा करें, जैसे कितने दोस्त बने, आज क्या बात हुई आदि। ये भी पूछें कि बच्चे को किसी व्यक्ति से असहजता तो नहीं हो रही।

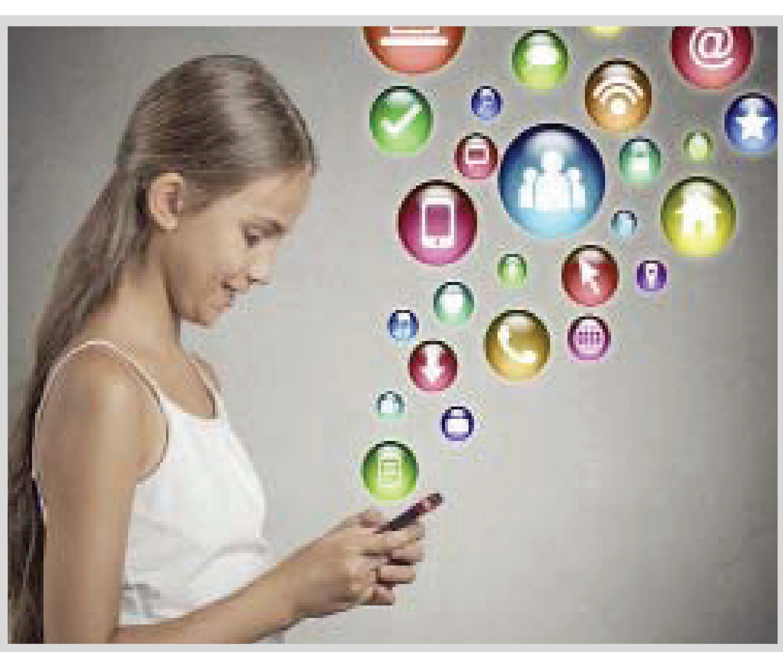

समय सीमा निर्धारित हो

इंटरनेट के दुष्प्रभावों से बच्चे को दूर रखने के लिए डॉ. कुमार बच्चे को निश्चित समय के लिए ही इंटरनेट का इस्तेमाल करने की सलाह देते हैं। ये ठीक उसी प्रकार होना चाहिए जैसे आपने उनके खेलने और टीवी देखने का समय निर्धारित कर रखा है। इस समय को टुकड़ों में बांटना भी उन्हें नुकसान से बचा सकता है। इसके अलावा आप बच्चे को महीने के बजट की तरह ही निश्चित डाटा इस्तेमाल करने की अनुमति दें। डाटा खत्म हो जाने पर जब उसे इंटरनेट नहीं मिल पाएगा तो वो खुद ही इसका उपयुक्त इस्तेमाल करना सीख जाएगा।

कदमों को गति देता है इंटरनेट

इंटरनेट और डिजिटल दुनिया यदि पूरी तरह से बच्चों के लिए हानिकारक होती, तो स्कूलों के मॉड्यूल में ई-लर्निंग और डिजिटल सेशन को शामिल नहीं किया जाता। इस बात से सहमति रखते हुए मनोचिकित्सक डॉ. उन्नति कुमार कहते हैं कि इंटरनेट वरदान है और इसका सही इस्तेमाल बच्चों को आगे बढ़ने में मदद करता है। किसी भी विषय को समझने में डिजिटल मीडिया बेहद काम आ रहा है। इसके साथ ही इंटरनेट पर मौजूद जानकारियां बच्चों की बौद्धिक क्षमता और तकनीकी जानकारी को बढ़ा रही हैं।

खतरनाक है गेम की लत

इंटरनेट के लगातार इस्तेमाल से बच्चे को सिर्फ सोशल मीडिया की ही लत नहीं लग सकती। इंटरनेट व मोबाइल आदि पर खेले जाने वाले कई तरह के गेम बच्चे की न सिर्फ शारीरिक, बल्कि मानसिक सेहत के लिए भी नुकसानदेह साबित हो सकते हैं। पिछले कुछ समय में मोमो चैलेंज, ब्लू व्हेल चैलेंज गेम व पबजी जैसे मोबाइल गेम अभिभावकों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं साबित हो रहे हैं। इन खेलों की न सिर्फ बच्चों को लत लग जाती है, बल्कि इसमें से कुछ खेल बच्चों को आत्महत्या तक करने के लिए उकसाते हैं। मोमो चैलेंज व ब्लू व्हेल चैलेंज गेम के कारण दुनिया भर में कई बच्चे आत्महत्या कर चुके हैं। ये सब बातें पढ़ने में जितनी भयावह लगती हैं।

जानलेवा न बन जाएं बेहोशी के दौरे

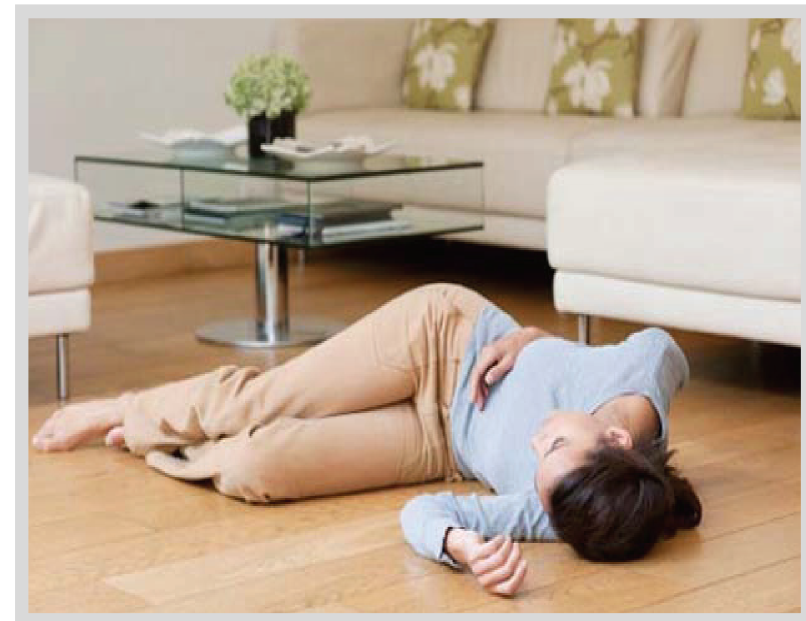

बेहोशी की समस्या को अकसर नजरअंदाज किया जाता है, लेकिन कई मामलों में यह बात सामने आई है कि यह समस्या जानलेवा भी साबित हो सकती है। क्या है यह समस्या और इससे बचाव का उपाय, जानकारी देता आलेख

आपने कभी थोड़ी देर तक चक्कर आने या घबराहट अथवा धड़कन तेज होने और उसके बाद बेहोशी महसूस की है? अगर ऐसा हुआ है, तो क्या कारण पता नहीं चला? अकसर ऐसी स्थिति में यह समझा जाता है कि ऐसा कमजोरी की अस्थायी स्थिति में होता है, जो अनुपयुक्त आहार, कम सोने, थकान आदि से होता है। हालांकि कुछेक मामलों में यह भले ही सही हो, पर बेहोश होने का मामला गंभीर हो सकता है। बेहोश होकर गिरने से ना सिर्फ घातक चोट लग सकती है, बल्कि यह किसी मेडिकल स्थिति का मुख्य लक्षण भी हो सकता है।

किसे प्रभावित करती है बेहोशी

मेडिकल मामलों में बेहोश होने को सिनकोप कहा जाता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन सिनकोप को अस्थायी बेहोशी कहता है, जो मस्तिष्क में खून का प्रवाह अपर्याप्त होने से होता है। ऐसा तब होता है, जब हृदय मस्तिष्क को पर्याप्त ऑक्सीजन पंप करना छोड़ देता है। नतीजतन रक्तचाप कम हो जाता है।

अचानक होती है यह समस्या

सिनकोप की शुरुआत अचानक होती है और रिकवरी भी तकरीबन अचानक ही होती है। इसके शुरुआत में भिन्न कारणों जैसे पसीना आना, गर्मी लगना, शरीर में पानी कम होना (डीहाइड्रेशन), थकान या शरीर की स्थिति बदलने पर पैरों में खून जमा हो जाने से भी ऐसा होता है। वैसे तो किसी भी आयु का व्यक्ति सिनकोप का शिकार हो सकता है, पर 60 साल से ऊपर के लोगों में यह ज्यादा आम है। ऐसे लोगों में इससे मौत का जोखिम भी ज्यादा होता है। बुजुर्गों के मुकाबले कम उम्र के लोगों मं कारण अलग होते हैं। कोरोनरी आर्टरी डिजीज, कन्जेनिटल हार्ट डिफेक्ट्स, वेंट्रीकुलर डिसफंक्शन, हार्ट अटैक झेल चुके और जेनेटिक म्युटेशन वाले लोगों को यह जोखिम ज्यादा हो सकता है।

शुरुआती चेतावनी के संकेत

त्वचा पीली हो जाती है।
धड़कन गड़बड़ होने लगती है।
कमजोरी महसूस होने लगती है।
मितली आती है।
पसीना अधिक आता है।
सांस तेज चलती है।

बेहोश होना घातक क्यों

आम मान्यता है कि बेहोशी न्यूरोलॉजिकल कारणों से ही होती है। इसके उलट वास्तविक कारण अकसर कार्डियक प्रकृति का होता है। बिना कारण बेहोश होने और चक्कर आने का प्राथमिक कारण हृदय की स्थिति से जुड़ा हो सकता है, जिसके आप शिकार हो सकते हैं। सिनकोप हृदय की सबसे आम गड़बड़ी के लिए प्राथमिक लक्षण है। इसे हृदय का असामान्य रिद्म कहा जाता है। कुछ मामलों में हृदय के असामान्य रिद्म का एकमात्र चेतावनी संकेत है बेहोश होना। इसकी वजह से अचानक कार्डियक अरेस्ट और मौत तक हो सकती है। खासकर उन लोगों के मामले में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है, जिन्हें पहले से हृदय की बीमारी है। इसलिए सिनकोप की पहचान और उसका कारण जानना बहुत महत्वपूर्ण है। उपचार समय पर नहीं हो, तो यह घातक हो सकता है।

इसका पता कैसे चलेगा

अचानक बेहोश होने के किसी भी मामले का मूल्यांकन सिर्फ प्रशिक्षित डॉक्टर से ही कराना चाहिए। सिनकोप का पता मरीज के बेहोश होने के इतिहास के आधार पर चलता है। आम तरीका यही है कि शारीरिक परीक्षण किया जाए और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी (ईसीजी) की जाए। इसके लिए खून में शुगर का स्तर और ब्लड काउंट की भी निगरानी की जा सकती है।

समस्या की गंभीरता का आकलन करने के लिए और व्यापक कार्डियक आकलन की आवश्यकता हो सकती है। सिनकोप का प्रबंध जीवनशैली में बदलाव, दवाओं और थेरेपी से किया जा सकता है। हालांकि यह सब चिकित्सीय स्थिति की गंभीरता पर निर्भर करता है।

मूल्यांकन की शुरुआत मेडिकल हिस्ट्री की समीक्षा और शारीरिक जांच से होती है। आपके डॉक्टर आपसे लक्षणों, सिनकोप एपिसोड आदि से संबंधित विस्तृत सवाल पूछते हैं। इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी (ईसीजी), ब्लड शुगर लेवल और प्रयोगशाला जांच भी की जा सकती है। इन परीक्षणों के नतीजे के आधार पर एक व्यापक कार्डियक जांच की आवश्यकता हो सकती है, ताकि समस्या की गंभीरता का सही आकलन किया जा सके।

क्या हैं उपचार

सिनकोप का उपचार इस बात पर निर्भर करता है कि इसका कारण क्या है और मूल्यांकन तथा जांच का नतीजा क्या रहा। सिनकोप के मरीजों को घातक हो सकने वाली गतिविधियों जैसे गाड़ी चलाने, कुछ खास तरह के काम या मनोरंजक गतिविधियों के संबंध में चिकित्सक से सलाह लेनी चाहिए। नॉन-कार्डियक सिनकोप के ज्यादातर रूपों के लिए तत्काल उपचार में व्यक्ति को जमीन पर सीधा लिटा देना चाहिए, ताकि होश आ सके।

इन बातों पर दें ध्यान

कार्डियक सिनकोप का उपचार कार्डियक स्थिति को ठीक करने पर आधारित है और इसमें निम्नलिखित बातें शामिल हैं।

दवाएं
पेसमेकर
रेडियोफ्रीक्वेंसी कैथेटर एबलेशन
वैलवुलर सर्जरी
कॉरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्ट सर्जरी
एंजियोप्लास्टी और स्टेंटिंग

जरूरी हो सकती हैं ये जांच

लेटकर और खड़े होकर ब्लड प्रेशर की रिकॉर्डिंग
हार्ट मोनिटर
इम्प्लांटेबल लूप रिकॉर्डर (आईएलआर)
टिल्ट टेबल टेस्टिंग

याद रखने वाली बातें

बेहोश होने का रिकॉर्ड रखें।
अगर आपको सीने में दर्द होता है, सांस फूलती है, तो डॉक्टर से संपर्क करें।
जब आपके घर में हृदय की बीमारी का इतिहास हो, तो यह और जरूरी हो जाता है।
अगर बेहोश होने जैसा लगे, तो बैठ या लेट जाएं। संभव हो, तो व्यक्ति के पैरों को सिर से ऊपर रखें, ताकि मस्तिष्क में खून का प्रवाह बेहतर हो।
बेहोश होने की किसी भी घटना को नजरअंदाज न करें।

नेता प्रतिपक्ष की मां का हुआ अंतिम संस्कार, बड़े पुत्र जूली ने दी मुखाग्नि, भावुक हो गया परिवार

राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अपनी मां स्वर्गीय चलती देवी को नम आंखों से कंधा दिया। जूली ने उन्हें मुखाग्नि दी और स्वर्गीय चलती देवी पंचतत्व में विलीन हो गई। अपने सरल व्यवहार के लिए सभी का दिल जीतने वाली स्वर्गीय चलती देवी के अंतिम दर्शन के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। जूली और उनका परिवार अपने पैतृक गांव काठूवास से उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुआ। मां की अंतिम विदाई के वक्त जूली की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे, पूरा परिवार भावुक हो गया। उनकी मौत की खबर सुनकर पूरे गांव का माहौल भी गमगीन हो गया। उल्लेखनीय है कि नेता प्रतिपक्ष जूली की मां चलती देवी का शुक्रवार देर रात को बाथरूम में पैर फिसलने से वे गंभीर हो गई थी। जयपुर के एसएमएस अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत बोले मां की तपस्या से आज जूली इस मुकाम पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नेता प्रतिपक्ष राजस्थान विधानसभा टीकाराम जूली की मां के निधन पर उनके पैतृक गांव पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि मां की तपस्या से ही जूली आज राजनीति के बड़े शिखर पर है गहलोत ने कहा कि मां की तपस्या से ही एक छोटे से गांव से जिला पार्षद का चुनाव जीतकर राजस्थान विधान में नेता प्रतिपक्ष की सराहनीय भूमिका निभा रहे हैं।

उनके पिता स्वर्गीय लेखराम ठेकेदार एवं उनकी मां ने संघर्षों की भट्टी में तपकर अपने बेटे को इस मुकाम तक पहुंचाया।

संस्कारों और मूल्यों की साक्षात् प्रतिमूर्ति थी स्वर्गीय चलती देवी

स्वर्गीय चलती देवी का पीहर मूल रूप से हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के दोंगडा अहीर में था। उनके दो पुत्र हैं बड़े बेटे टीकाराम जूली राजस्थान की राजनीति का बड़ा चेहरा है जबकि छोटे बेटे मुकेश जूली उद्योगपति और हरियाणा की राजनीति में सक्रिय हैं। स्वर्गीय चलती देवी धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी और समाज में आसपास उनकी सहजता के चलते गहरी पैठ थी। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने अपने परिवार को हमेशा संस्कारों और सामाजिक मूल्यों की सीख दी। उन्होंने हमेशा सादगी पूर्ण जीवन जिया और सामाजिक मूल्यों को प्राथमिकता दी। परिवार और समाज के संस्कारों को संजोए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की स्वर्गीय माता श्रीमती चलती देवी के निधन पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस सुप्रीमो मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, विधायक रविंद्र भाटी ने संवेदनाएं व्यक्त की। अंतिम संस्कार में पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा,पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी,मंत्री संजय शर्मा , पूर्व उपराष्ट्रपति कुलदीप धनकड़, कुलदीप इंदोरा सांसद, रामकेश मीणा, रफीक खान,हाकम अली, आमीन कागजी, शिखा मील बराला, राजेंद्र पारिक,जोगेंद्र अवाना, वैभव गहलोत, रमेश खंडेलवाल, इमरान खान , संदीप यादव, अजय अग्रवाल,विधायक दीपचंद खैरिया, ललित यादव, मांगे लाल मीणा,रावदान सिंह,शकुंतला रावत,जिलाध्यक्ष प्रकाश गंगावत,बलराम यादव, सुनील शर्मा, इंद्राज गुर्जर, गोपाल मीणा, मनोज मेघवाल,संजय जाटव, डूंगर राम गेदर,धर्मेंद्र राठौर सहित देश-प्रदेश के बड़े नेता, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, विभिन्न दलों के नेता और क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

श्री खेमका इंटरनेशनल स्कूल में K-SAT 2026 छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

श्री खेमका इंटरनेशनल स्कूल, बुहाना द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु K-SAT 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह परीक्षा मार्च माह के प्रत्येक रविवार को आयोजित होगी, जिसमें कक्षा 1 से 9 तक के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं।विद्यालय के प्रधानाचार्य मनमोहन शर्मा ने बताया कि इस परीक्षा का उद्देश्य प्रतिभाशाली एवं मेधावी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना तथा उन्हें ट्यूशन फीस में आकर्षक छात्रवृत्ति प्रदान करना है। परीक्षा तिथियाँ 8, 15, 22 एवं 29 मार्च 2026 (रविवार) निर्धारित की गई हैं। परीक्षा का समय प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक रहेगा तथा परिणाम 1 अप्रैल 2026 को घोषित किया जाएगा। विद्यालय प्रबंधक हवा सिंह ने जानकारी दी कि परीक्षा में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 15 प्रतिशत से लेकर

50 प्रतिशत तक ट्यूशन फीस में छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। साथ ही प्रत्येक प्रतिभागी को निःशुल्क उपहार भी दिया जाएगा। विद्यालय के परीक्षा प्रभारी पंकज शर्मा ने अभिभावकों से आग्रह किया है कि वे अपने बच्चों का अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण करवाकर इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं। इच्छुक अभिभावक विद्यालय कार्यालय, नारायणी देवी खेमका मंदिर मार्ग, बुहाना में संपर्क कर सकते हैं।

इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । मुंडावर उपखण्ड स्थित इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में एनएसएस यूनिट तथा रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान और कार्यक्रम प्रभारी शिक्षाविद अभिनव शर्मा के निर्देशन में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए शिक्षाविद एवं गांधीवादी विचारक डॉ. डी. आर. शर्मा ने कहा कि यह दिन भारत के महान वैज्ञानिक सर चंद्रशेखर वेंकट रमन की स्मृति में मनाया जाता है। उनके द्वारा सन 1928 में रमन प्रभाव की खोज की गई थी। इस खोज के लिए उन्हें सन 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था। डॉ. शर्मा ने आगे कहा कि भारत युवाओं का देश है और भारतीय युवाओं को अंधविश्वास से दूर रहते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर अपनी कार्य योजनाओं का निर्धारण करना चाहिए। सन 1947 में जब हमारा देश आजाद हुआ, उस समय हमारे यहां पर एक आलपिन का निर्माण भी नहीं होता था। आज हमारे देश ने विज्ञान और तकनीकी के माध्यम से सभी क्षेत्रों में तरक्की की है। इस अवसर पर सहायक प्रोफेसर डॉ. भगवान शर्मा एवं कॉलेज सचिव डॉ. प्रेमलता शर्मा सहित अनेक छात्राओं और स्वयंसेविकाओं के द्वारा विज्ञान दिवस पर अपने विचार व्यक्त किए गए।

एप्सटीन फाइल मामले को लेकर सिंघाना में पेट्रोलियम मंत्री का पुतला दहन

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

हर्ष स्वामी । कांग्रेस महिला मोर्चा की महिलाओं ने केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए उनका पुतला दहन किया।प्रदर्शनकारियों ने मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की। महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष शकुंतला यादव के नेतृत्व में महिलाएं रैली के रूप में शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई सिंघाना सर्किल बस स्टैंड पहुंचीं। वहां मंत्री के खिलाफ नारे लगाते हुए पुतला फूंका गया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि एप्सटीन फाइल में नाम आने के बावजूद मंत्री द्वारा इस्तीफा नहीं देना जनभावनाओं के खिलाफ है। साथ ही केंद्र सरकार पर भी निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री पर अमेरिका के दबाव में कार्य करने का आरोप लगाया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस प्रशासन मौके पर मौजूद रहा और कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

नंगली सलेदीसिंह में तीन साल से सड़क पर गंदा पानी, निकासी की मांग को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

हर्ष स्वामी । जसरापुर क्षेत्र के नंगली सलेदीसिंह गांव के वार्ड नंबर 3 में पिछले तीन वर्षों से सड़क पर गंदा पानी जमा होने की समस्या से ग्रामीण परेशान हैं। आक्रोशित ग्रामीणों ने समस्या के समाधान की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया और ग्राम पंचायत के प्रति नाराजगी जताई। ग्रामीण दाताराम तून्दवाल और वेदप्रकाश तून्दवाल ने बताया कि करीब 100 मीटर तक मुख्य सड़क पर गंदा पानी भरा रहता है। यह सड़क गांव को खेतड़ी से जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है, जिस पर प्रतिदिन स्कूली विद्यार्थी, किसान, आमजन और राहगीर आवागमन करते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि कोई वैकल्पिक रास्ता नहीं होने के कारण पैदल राहगीरों और मोटरसाइकिल चालकों को इसी गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है। इससे आए दिन फिसलने और दुर्घटना का खतरा बना रहता है। प्रदर्शन में जेपी शेखावत, जगदेव सिंह, अमन तून्दवाल, खुर्शीद अली, भरत सिंह, रणवीर गुर्जर, सचिन छावड़ी, लाला गुर्जर, उमेद अली, जमालुद्दीन भाटी, युवराज गुर्जर, लाल खान, कृष्ण कुमार, प्रताप बटार और संतोष देवी सहित कई ग्रामीण मौजूद

सोखता कुआं भी ओवरफ्लो

सड़क किनारे बना सोखता कुआं भी ओवरफ्लो हो जाता है, जिससे गंदा पानी सड़क पर फैलकर लंबे समय तक जमा रहता है। गर्मी का मौसम शुरू होते ही पानी भरा रहने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ने की आशंका है। ग्रामीणों ने डेंगू, मलेरिया व अन्य मौसमी बीमारियों के फैलने का खतरा जताया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र पानी निकासी की ठोस व्यवस्था करने, नालियों का निर्माण करवाने और समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग की है।

प्याज के खेत में छिपी साजिश का पर्दाफाश

पुलिस की सतर्कता से अफीम के पौधे बरामद, आरोपी काबू

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना/भूना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहे 'नशा मुक्त फतेहाबाद' अभियान के तहत सीआईए रतिया पुलिस टीम ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने एक आरोपी को काबू कर उसके घर के पीछे प्याज की फसल में छिपाकर लगाए गए अफीम के पौधे बरामद किए हैं। यह कार्रवाई पुलिस की सतर्कता, सक्रिय खुफिया तंत्र और त्वरित कार्यवाही का परिणाम है।

चालाकी से की गई थी अवैध खेती

आरोपी अंग्रेज सिंह पुत्र प्यारेलाल निवासी रायपुर ढाणी ने अपने घर के पीछे प्याज की खेती के बीच अफीम के पौधे इस प्रकार लगा

रखे थे कि सामान्य रूप से देखने पर वह केवल सब्जी की खेती प्रतीत हो। आरोपी को यह भ्रम था कि प्याज की फसल के बीच छिपे अफीम के पौधों पर किसी का ध्यान नहीं जाएगा। किन्तु फतेहाबाद पुलिस की पैनी नजर और निरंतर निगरानी ने उसकी इस साजिश को विफल कर दिया।

गुप्त सूचना पर त्वरित दबिश

सीआईए रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि रायपुर ढाणी में उक्त व्यक्ति अपने घर के पीछे अवैध रूप से अफीम की खेती कर रहा है।सूचना मिलते ही सहायक उपनिरीक्षक रघुबीर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बिना विलंब किए मौके पर दबिश दी। तलाशी के दौरान प्याज के पौधों के बीच से अफीम के 20 पौधे बरामद किए गए। पुलिस ने मौके पर ही आरोपी को काबू कर लिया तथा अवैध रूप से उगाए गए पौधों को जब्त कर लिया। आरोपी के विरुद्ध थाना भूना में एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

यूजीसी के विरोध में मंडावर से उठी हुंकार, दौसा में आज होगा शक्ति प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए नियमों को लेकर क्षेत्र में विरोध का स्वर तेज हो गया है। मंडावर कस्बे की पंचायती धर्मशाला में शनिवार को सवर्ण समाज की संयुक्त बैठक में यूजीसी की हालिया अधिसूचनाओं को प्रतिभाशाली युवाओं के अवसरों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला बताते हुए व्यापक आक्रोश जताया गया। बैठक में सवर्ण समाज के लोगो ने कहा कि उच्च शिक्षा में लागू किए जा रहे प्रावधानों को लेकर पारदर्शिता, समान अवसर और मेरिट आधारित चयन की संवैधानिक भावना पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं, जिन पर सरकार को स्पष्ट जवाब देना चाहिए। बैठक में तय किया गया कि रविवार सुबह करीब नौ बजे पंचायती धर्मशाला से गांधी चौक तक पैदल मार्च निकाला जाएगा, जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग बसों के जरिए दौसा के लिए रवाना होंगे। वहां लालसोट रोड स्थित सहजनाथ महादेव मंदिर से सुबह 11 बजे प्रस्तावित 'महाआक्रोश रैली' का आगाज होगा। रैली कलेक्ट्रेट तक पहुंचेगी, जहां प्रतिनिधिमंडल ज्ञापन सौंपकर केंद्र व राज्य सरकार से नियमों की समीक्षा और सभी वर्गों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग करेगा। सभा में वक्ताओं ने कहा कि यह किसी एक

वर्ग का नहीं बल्कि युवाओं के भविष्य और प्रतिस्पर्धात्मक अवसरों से जुड़ा प्रश्न है। उनका कहना था कि उच्च शिक्षा संस्थानों में नियुक्ति, पदोन्नति और चयन की प्रक्रिया में यदि समान अवसर और विधिक संतुलन नहीं रहेगा तो सामाजिक असंतोष बढ़ेगा। संविधान प्रदत्त अधिकारों, न्यायसंगत प्रतिनिधित्व और पारदर्शी प्रणाली की मांग को लेकर शांतिपूर्ण व लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराया जाएगा। बैठक में ब्राह्मण, अग्रवाल, खंडेलवाल, जैन, क्षत्रिय और महावर समाज के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। ग्रामीण अंचलों और ढाणियों में जनसंपर्क कर अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने की रणनीति भी तय की गई।

मण्डावा विधानसभा क्षेत्र को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दी सौगात

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मण्डावा विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्व सांसद नरेन्द्र कुमार की अनुशंषा पर रामपुरा से डाबड़ी धीर सिंह तक सड़क के चैड़ाईकरण एवं सुदृढ़ीकरण हेतु 10 कि.मी. के लिए 7 करोड़ 50 लाख रुपए स्वीकृत किए एवं ग्राम शेखसर में पशु चिकित्सा उपकेन्द्र को पशुचिकित्सालय में क्रमोन्नत करने की घोषणा की इसके लिए पूर्व सांसद ने क्षेत्रवासिंयो की ओर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दिया कुमारी एव पशुपालन, डेयरी एव गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत का

आभार व्यक्त किया इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष महावीर ढाका, जिला कार्यालय सह मंत्री महेन्द्र धायल, राजेन्द्र ठेकेदार, संजय मील, पं.सं. सदस्य राहुल कुमावत, राजकुमार धूवां, मण्डल अध्यक्ष विकास ईश्वरवाल, जगमेन्द्र धायल, मोहनलाल सैनी, पवन धौलपूरिया, मुकेश दूत, अजय कुमार, इन्द्राज ढाका, सरपंच बृजेश सेंवदा, सतीश पूनिया, महेश पूनिया, अभिमन्यू कस्वां, मुकेश झाझड़िया, यशवर्धन सिंह महनसर, सुरेश सैन दूराना, अमित डूडी ने मिठाई बाटकर पूर्व सांसद नरेन्द्र कुमार एवं भाजपा जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुल्हरी का आभार व्यक्त किया।

मंडावा की ग्राम पंचायत चूड़ी अजीतगढ़ में रात्रि चौपाल का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा उपखंड की ग्राम पंचायत चूड़ी अजीतगढ़ में शुक्रवार रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, विकास अधिकारी सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें। रात्रि चौपाल के दौरान अरुण गर्ग, जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग ने आमजन की समस्याओं एवं परिवादों की सुनवाई की। कुल 35 परिवाद प्राप्त हुए, जिनमें से कुछ शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर संबंधित परिवादियों को राहत प्रदान की गई। शेष शिकायतों के त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु जिला कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। जिला कलेक्टर डॉ

अरुण गर्ग ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित परिवादों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को समय पर राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रशासन आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है। रात्रि चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे तथा अपनी समस्याएं जिला कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत कीं।

लंबा चौड़ा कारोबार छोड़कर समाजसेवा में जूटे लक्ष्मणगढ़ के अनिल कुमार बागड़ी

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

पत्रकार बाबूलाल सैनी । धन दौलत और शोहरत हासिल करने के लिए व्यक्ति अंतिम सांस तक लगा रहता है तो पैसा कमाने का मोह ज़िन्दगी भर नहीं छूटता है। तथा महानगरों की चकाचौंध व्यक्ति पर इतनी हावी हो जाती है कि व्यक्ति मोह माया के वशीभूत हो जाता है और अपनी जन्मभूमि तक को भूल जाते है। लेंकिन दुनिया में ऐसे विरले ही लोग होते हैं जो धन दौलत, मोह ,माया, शहरी चकाचौंध सब कुछ छोड़ छाड़ कर जन्मभूमि से जुड़ने व समाजसेवा के क्षेत्र को अपना लेते हैं। जी हां लक्ष्मणगढ़ में भी एक ऐसी शख्सियत हैं जो लंबा चौड़ा कारोबार पुत्रों के हवाले कर पिछले एक दशक से अपनी जन्म भूमि से जुड़कर गौसेवा व समाजसेवा करने में लगे हैं । जी हां हम बात कर रहे स्टेशन मार्ग पर गायत्री मंदिर के पास बागड़ी हाउस में रहने

वाले अनिल कुमार बागड़ी की।समाज की सेवा, गौ सेवा व युवाओं के कैरियर को संवारना ही बागड़ी ने अपना ध्येय बना लिया है। साधारण किसान परिवार में श्रीमती मोहिनी देवी बागड़ी - जगनराम बागड़ी के घर 11 नवंबर 1957 को जन्मे बागड़ी की शादी 18 फरवरी 1976 को रामगढ़ शेखावाटी निवासी श्रीमती गिन्नी देवी-बजरंग लाल गौड़ की सुपुत्री शारदा के साथ हुई जो इनके जीवन में लक्ष्मी के रूप में आई। बागड़ी ने शादी के चार वर्ष बाद 1980 में मुम्बई की उड़ान भरी तो फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा मुम्बई, दिल्ली, हैदराबाद, बैंगलोर जैसे महानगरों में अपने कारोबार का इंपायर खड़ा किया। फिर अचानक जन्मभूमि के लिए कुछ करने का विचार आया तो 15 फरवरी 2015 को सब कुछ छोड़कर पैतृक गांव लक्ष्मणगढ़ आ गये। इलैक्ट्रिक का लंबा चौड़ा कारोबार अपने पुत्र राकेश, मुकेश व रूपेश के हवाले कर अपनी धर्मपत्नी श्रीमती शारदा देवी बागड़ी के साथ सेवा कार्य में जूट गये। गाय की सेवा खूद अपने हाथों से करना, खेत में काम करना और समाज की सेवा करना अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लिया। सेवा कार्यों में बढ़ते कदम को देखकर बागड़ी को महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ का अध्यक्ष का पदभार सौंपा गया तो उसी समय उन्होंने तय कर लिया कि जीवन में कारोबार को ऊंचाईयों तक ले जाने का जो जुनून था उसी जुनून और जज्बे के साथ छात्रावास का सर्वांगीण विकास करने व छात्रावास के माध्यम से युवाओं के सपनों को साकार करने उन्हें संस्कार देने व उनका कैरियर बनाने का प्रयास किया जाएगा। सफलता के पायदान पर कदम रखने वाले बागड़ी के जीवन में अचानक आई विरक्ति ने करोड़ों का कारोबार छोड़ छाड़ कर सेवा और परोपकार में रम गए तथा वर्तमान में महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ के माध्यम से युवाओं का भविष्य संवारने और उन्हें प्रथम पंक्ति में खड़े होने लायक बनाने में जुटे हुए हैं। अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण करते ही स्वयं के द्वारा छात्रावास में कंप्यूटर व प्रिंटर भेट किया इससे पहले छात्रावास में एक कमरे का निर्माण कार्य करवा चुके हैं।

होली पर मंडावर अनाज मंडी में पांच दिन का रहेगा अवकाश

6 मार्च से फिर शुरू होगी जिंसो की नीलामी

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । रंगों के त्योहार होली को देखते हुए मंडावर अनाज मंडी में 1 मार्च से 5 मार्च तक अवकाश घोषित किया गया है। इस अवधि में मंडी परिसर में कृषि जिंसों की खरीद-फरोख्त और नीलामी कार्य पूर्णतः बंद रहेगा। व्यापार समिति के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि 6 मार्च 2026, शुक्रवार से मंडी पुनः नियमित रूप से खुलेगी और जिंसों की नीलामी पूर्ववत शुरू की जाएगी। व्यापारी राजेश अग्रवाल ने बताया कि वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार होली पर्व पर मंडी में अवकाश रखा जाता है, ताकि व्यापारी, किसान और पल्लेदार वर्ग त्योहार शांतिपूर्वक मना सकें। व्यापार समिति मंडावर के अध्यक्ष पारस जैन ने कहा कि अवकाश के पश्चात 6 मार्च से मंडी में नीलामी प्रक्रिया सुचारू रूप से प्रारंभ रहेगी, इसलिए किसान भाई अवकाश अवधि को ध्यान में रखते हुए ही अपनी उपज मंडी में लेकर आएं। वहीं अनाज मंडी सचिव महेंद्र शर्मा ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि फसल को पूरी तरह सुखाकर ही मंडी में लाएं। यदि जिंस में नमी कम होगी तो गुणवत्ता बेहतर मानी जाएगी और किसानों को उचित व संतोषजनक मूल्य प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि मंडी प्रशासन किसानों के हितों की रक्षा और पारदर्शी नीलामी प्रक्रिया के लिए प्रतिबद्ध है। होली अवकाश को लेकर मंडी क्षेत्र में पहले से ही गतिविधियां सीमित हो गई हैं। व्यापारियों और किसानों ने इसे आवश्यक परंपरा बताते हुए कहा कि पर्व के बाद मंडी में फिर से चहल-पहल लौटेगी और नीलामी की आवाज के साथ कारोबार रफ्तार पकड़ेगा।

रैफल्स विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 का भव्य आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना स्थित रैफल्स यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 उत्साह, ऊर्जा और वैज्ञानिक भावना के साथ मनाया गया। यह आयोजन महान भारतीय भौतिक वैज्ञानिक सीवी रमन द्वारा 'रमन प्रभाव' की खोज की स्मृति में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शैक्षणिक समुदाय में वैज्ञानिक चेतना, नवाचार और जिज्ञासा को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं प्रतिभागियों के स्वागत के साथ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) राजेन्द्र सिंह सांगवान ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में राष्ट्र निर्माण में वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाते हुए उत्कृष्टता की ओर निरंतर अग्रसर रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर पावरपॉइंट प्रस्तुति, वाद-विवाद, मॉडल प्रदर्शनी, रंगोली, पोस्टर मेकिंग, क्विज, निबंध लेखन, स्लोगन लेखन, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी, वेस्ट मैनेजमेंट और पर्यावरण संरक्षण जैसी विविध शैक्षणिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों ने विद्यार्थियों को अपनी वैज्ञानिक समझ, रचनात्मकता और नवाचार प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान किया। समापन अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. राजपाल कोसालिया ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और आयोजन समिति के सदस्यों के प्रयासों की सराहना करते हुए विज्ञान एवं अनुसंधान के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजय सक्सेना, डीन अकादमिक डॉ. दीपक दास, विभिन्न संकायों के डीन, प्राचार्य, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण एवं कर्मचारीगण की गरिमामयी उपस्थिति रही।

नाबालिग को बालिग दर्शाने का आरोप, दुष्कर्म पीड़िता के परिजन एसपी से मिले

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग के अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म के प्रकरण ने अब जांच प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़िता के परिजनों ने पुलिस पर आरोपियों से मिलीभगत कर गलत साक्ष्य न्यायालय में प्रस्तुत करने का आरोप लगाया है, जिससे आरोपियों को जमानत मिल गई। गुरुवार को पीड़िता के पिता ने जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा से मुलाकात कर पूरे मामले की निष्पक्ष पुनः जांच और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। मामले की शिकायत मुख्यमंत्री को भी प्रेषित की गई है। पीडीत पिता द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार 28 जनवरी को नाबालिग पीड़िता अपनी सहेली के साथ कपड़े सिलवाने के लिए घर से निकली थी। आरोप है कि रास्ते में सफेद बोलेरो में सवार तीन युवकों ने रास्ता पूछने के बहाने उसे जबरन बोलेरो में खींच लिया। पीडीत पिता का आरोप है कि आरोपी नरेश गहलोत और लवकुश उसे सुनसान जंगल क्षेत्र में ले गए, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया। घटना के बाद मंडावर थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दो दिन के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था तथा मामले की जांच महवा वृत्ताधिकारी मनोहरलाल मीणा को सौंपी गई थी। अब विवाद का केंद्र बिंदु पीड़िता की आयु को लेकर उठ खड़ा हुआ है। पीड़िता के पिता का कहना है कि उसने दी गई रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से अपनी बेटी को नाबालिग बताया था, किंतु वह स्वंय अशिक्षित हैं और इसी का लाभ उठाकर जांच के दौरान उम्र से संबंधित तथ्यों की सही पड़ताल नहीं की गई। उसका आरोप है कि आयु प्रमाण के स्थान पर ऐसे साक्ष्य प्रस्तुत किए गए, जिनके आधार पर न्यायालय ने पीड़िता को बालिग मानते हुए आरोपियों को जमानत दे दी।

उधर, महवा सीओ मनोहरलाल मीणा का कहना है कि पीड़िता की ओर से नाबालिग होने के कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए थे। उनके अनुसार न्यायालय के निर्देश पर मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया और मेडिकल परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर ही आयु का निर्धारण किया गया।

हदाँ ग्राम पंचायत होगी टीबी और तम्बाकू मुक्त

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । आयुर्वेद विभाग की ओर से चलाए जा रहे आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना के तहत टीबी और तम्बाकू मुक्त ग्राम पंचायत करने के लिए हदाँ ग्राम पंचायत द्वारा विशेष ग्राम सभा का आयोजन गुरुवार को किया गया। इसके तहत हदाँ ग्राम पंचायत को टीबी और तंबाकू मुक्त ग्राम पंचायत करने का प्रस्ताव पारित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुखराज साध ने कहा कि स्वस्थ पीढ़ी तैयार करने के लिए शिक्षण संस्थानों का तंबाकू मुक्त होना और नियमित स्वास्थ्य गतिविधियां आयोजित करना अनिवार्य है। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. सीएस मोदी ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य टीबी मुक्त ग्राम पंचायत को केवल सरकारी कार्यक्रम न रखकर एक जन-आंदोलन में बदलना है। डॉ. मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि समाज से टीबी से जुड़ी गलत धारणाओं और डर को खत्म करने के लिए युवाओं की रचनात्मक सोच सबसे सशक्त माध्यम है। डब्ल्यूएचओ कंसल्टेंट से डॉ सुधांश खत्री ने कहा कि टीबी के प्रति डर और भेदभाव को केवल सही जानकारी और संवाद से ही मिटाया जा सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि पोस्टर प्रतियोगिता, सोशल मीडिया रील्स और डिजिटल कहानियों के माध्यम से सफल उपचार की गाथाएं लोगों तक पहुंचाई जाएं। कार्यक्रम में ब्लॉक कोलायत टीबी वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक लक्ष्मीकांत छंगाणी ने बताया कि टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के तहत विद्यालय में टीबी के बारे में वीडियो के माध्यम से जानकारी देकर जागरूक किया और निश्चय पौषण योजना और डीबीटी योजना के बारे में बताया। हदाँ औषधालय प्रभारी डॉ दुर्गाप्रसाद मौर्य ने बताया कि आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना का उद्देश्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के जरिए स्वास्थ्य में सुधार करके ग्रामीण क्षेत्र में आमजन का आहार विहार, दिनचर्या, ऋतुचर्या, प्रकृति परीक्षण, तंबाकू मुक्त, टीबी मुक्त आदि 18 प्रकार का स्वास्थ्य सूचकांकों के माध्यम से समाज को निरोगी बनाना है। 18 स्वास्थ्य सूचकांकों पर शत प्रतिशत प्राप्ति होने पर ग्राम पंचायत को 11 लाख रुपए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इस अवसर पर रा.उ.मा.विद्यालय और महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम विद्यालय हदाँ से 100 से अधिक बच्चों और अध्यापक लक्ष्मणसिंह, अमित, विक्रम विश्नोई और ग्रामीणों ने टीबी मुक्त और तंबाकू मुक्त ग्राम पंचायत के निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। सभी ने संकल्प लिया कि वे इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाकर टीबी मुक्त और तंबाकू मुक्त ग्राम पंचायत के लक्ष्य को सिद्ध करेंगे। कार्यक्रम में कोलायत ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील जैन, हदाँ सीएचसी प्रभारी डॉ भरत ओझा व डॉ ऐश्वर्या, आयुर्वेद नर्स किरण रेगर , एसटीएलएस राजेश कुमार रंगा, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी राकेश, लालचंद, योग प्रशिक्षक गिरधारी लाल व आशा दुर्गा देवी और उर्मिला आदि उपस्थित रहे।

जैतपुर धाम में उमड़ा आस्था का सागर: एकादशी पर 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए बाबा श्याम के दर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना उपखंड में स्थित प्रसिद्ध तीर्थ स्थल जैतपुर धाम में आयोजित श्री श्याम मेले ने इस वर्ष ऐतिहासिक सफलता दर्ज की। आस्था, सुव्यवस्थित प्रबंधन और जनसहयोग के संगम से सजा यह आयोजन खाटू के बाद क्षेत्र का सबसे बड़ा और सफल श्याम मेला बनकर उभरा। एकादशी के पावन अवसर पर एक ही दिन में 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के दरबार में हाजिरी लगाकर दर्शन किए। ग्यारस के दिन और रात श्रद्धालुओं की निरंतर उमड़ती भीड़ से पूरा धाम 'श्याम नाम' के जयकारों से गूंजता रहा। दूर-दराज़ राज्यों से पहुंचे भक्तों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर मनोकामनाएं मांगीं। श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति के बावजूद व्यवस्थाएं अनुशासित और सुचारु रहीं, जो प्रशासन और स्थानीय समिति के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बनीं। मेले के दौरान प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा और सुविधाओं की सुदृढ़ व्यवस्था की। नीमराना एएसपी सुरेश खींची, बहरोड़ सीओ सचिन शर्मा, तहसीलदार अर्जुन लाल तथा थानाधिकारी किरण सिंह मय जाप्ता मौके पर मौजूद रहे और व्यवस्थाओं का सतत निरीक्षण करते रहे। श्री श्याम सेवा समिति जैतपुर धाम के अध्यक्ष ताराचंद यादव ने मेले की सफलता पर प्रशासन, पुलिस, चिकित्सा विभाग, बिजली विभाग, स्काउट गाइड, पत्रकार बंधुओं एवं अन्य सभी सहयोगी विभागों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'खाटू के बाद बाबा श्याम का इतना विशाल और सफल मेला आयोजित होना सभी के सामूहिक प्रयास और बाबा के आशीर्वाद का परिणाम है।'

नीमराना में प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि शनिवार को श्रद्धा, सम्मान और सादगी के साथ मनाई गई। इस अवसर पर नीमराना नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद के राष्ट्र निर्माण में दिए गए अमूल्य योगदान को स्मरण किया और उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि डॉ. प्रसाद सादगी, त्याग, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के प्रतीक थे। स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका सदैव प्रेरणादायक रहेगी। इस अवसर पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी, नगर उपाध्यक्ष संजय कुमार यादव, नगर उपाध्यक्ष महावीर चर्खिया, सचिव संजय कुमार, एडवोकेट देवेंद्र दोसोदिया, रणधीर यादव, मुकेश, विनोद सैनी, प्रवीण यादव, नेमीचंद, नरेश फौजी, रामजस झगड़ोलिया, संदीप उमरावगढ़, राजकुमार, संदीप वर्मा, रविंद्र कुमार सामरिया, मनजीत सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं नगर के अनेक नागरिक उपस्थित रहे।

सोहली में विराट हिंदू सम्मेलन सम्पन्न, मातृशक्ति की उत्साहपूर्ण भागीदारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

सोहली मंडल में ग्राम सोहली स्थित श्री श्याम मंदिर परिसर में विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में मातृशक्ति सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः विशाल कलश यात्रा के साथ हुई। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से जयघोष करते हुए गांव में कलश यात्रा निकाली। इसके उपरांत मंदिर प्रांगण में विधिवत हवन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आहुति दी। मातृशक्ति ने पूरे जोश और श्रद्धा के साथ हवन में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता हेमसिंह ने समाज को समरस और एकजुट रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हमारा देश प्राचीन काल से 'वसुधैव कुटुम्बकम' के सिद्धांत पर चलने वाला रहा है। हमने नर में ही नारायण के दर्शन किए हैं, इसलिए किसी भी प्रकार के भेदभाव से बचना चाहिए। उन्होंने प्रकृति पूजन की परंपरा का उल्लेख करते हुए पर्यावरण संरक्षण को आज की महती आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म की रक्षा के लिए गुरु गोविंद सिंह ने अपने पुत्रों का बलिदान दिया तथा बंदा बैरागी ने वैराग्य छोड़ आक्रमणकारियों का सामना किया। हमारे पूर्वजों ने भारतभूमि को माता के समान मानकर उसके लिए सर्वस्व न्योछावर किया। हमें गर्व होना चाहिए कि हम इस पवित्र धरा और सनातन धर्म में जन्मे हैं। भारत का इतिहास गौरवशाली रहा है और हमने हजारों वर्षों से विश्व को ज्ञान-विज्ञान का मार्ग दिखाया है। समाज को विकसित और संगठित बनाने के लिए उन्होंने पंच परिवर्तन अपनाने का आह्वान किया। इसके अंतर्गत कुटुंब प्रबोधन, समरसता, स्वदेशी, नागरिक कर्तव्य एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वाणी संयम के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्य को सदैव मृदु और सीमित वाणी का प्रयोग करना चाहिए। सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों से आए रामचंद्र यादव, हनुमान सिंह, भाल्लेराम, रामचंद्र शर्मा, महेंद्र, कृतिका, सन्नी, प्रिया, चारू, कोमल, धवल, अमित, दीपक, मोहित, रोहित और अभिषेक को सम्मानित किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में ओमप्रकाश बोहरा ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

माकड़ों में बकाया बिल काटने गए बिजली कर्मचारी से मारपीट, सिर में गंभीर चोट

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

हर्ष स्वामी । माकड़ों गांव में बकाया बिजली बिल के चलते कनेक्शन काटने गए बिजली कर्मचारी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार फीडर इंचार्ज सुरेंद्र ढाका जब उपभोक्ता के घर बकाया बिल के कारण बिजली कनेक्शन काटने पहुंचे, तो परिवार के सदस्यों ने उनके साथ कहासुनी के बाद मारपीट कर दी। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने कर्मचारी पर पत्थर भी फेंके, जिससे सुरेंद्र ढाका के सिर में गंभीर चोट लग गई। घटना के बाद वे मौके पर ही बेसुध हो गए। आसपास के लोगों की सहायता से घायल कर्मचारी को तुरंत अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही अन्य बिजली कर्मचारी एकत्रित होकर सिंघाना थाने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिंघाना पुलिस का जाप्ता मौके पर पहुंचा और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कर्मचारियों में घटना को लेकर रोष व्याप्त है।

यूजीसी नियमों के विरोध में महवा से दौसा कूच की तैयारी, घर-घर से एक व्यक्ति भेजने का संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए प्रावधानों को लेकर क्षेत्र में विरोध की लहर तेज होती नजर आ रही है। महवा उपखंड मुख्यालय स्थित बौहरा धर्मशाला में शनिवार को ब्राह्मण, अग्रवाल, खंडेलवाल, जैन और राजपूत समाज सहित विभिन्न सवर्ण वर्गों की संयुक्त बैठक आयोजित हुई, जिसमें रविवार 01 मार्च को दौसा में प्रस्तावित महा आक्रोश रैली में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि उच्च शिक्षा से जुड़े इन नियमों का व्यापक प्रभाव युवाओं के भविष्य पर पड़ेगा, इसलिए समाज का प्रत्येक परिवार इस विषय को गंभीरता से ले। सर्वसम्मति से यह तय किया गया कि प्रत्येक घर से कम से कम एक व्यक्ति दौसा पहुंचकर लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध दर्ज कराएगा। बैठक में विस्तार से चर्चा करते हुए वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, समान अवसर और न्यायसंगत प्रक्रिया सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। यदि किसी वर्ग को यह महसूस होता है कि उसके हित प्रभावित हो रहे हैं तो शांतिपूर्ण व संवैधानिक दायरे में आवाज उठाना उसका अधिकार है। इसी भावना के साथ महवा से संगठित रूप से दौसा कूच का कार्यक्रम तय किया गया। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विजयशंकर बौहरा ने बताया कि करीब 50 निजी वाहन और चार बड़ी बसों के माध्यम से समाजजन दौसा पहुंचेंगे। सभी वाहन कस्बे के हिंडौन रोड स्थित जलदाय विभाग कार्यालय के पास एकत्रित होंगे और वहां से सामूहिक रूप से रवाना होंगे। दौसा में लालसोट रोड स्थित सहजनाथ महादेव मंदिर से रैली प्रारंभ होकर जिला मुख्यालय तक पहुंचेगी, जहां ज्ञापन सौंपा जाएगा। बैठक में सवर्ण समाज के अनेक पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

एकादशी जुलूस: चंग मंडलियों के कलाकारों ने दी फागुनी गीतों पर दी लोक नृत्य की प्रस्तुतियां

संस्थापक वैद्य लक्ष्मीधर शुक्ल की फोटो ओर धर्म ध्वज की अगुवाई में निकाला गया विशाल जुलूस

व्यायाम शाला मे विधिवत पूजा के बाद कार्यक्रम हुआ आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

शेखावाटी अंचल के मंडावा कस्बे में सैकड़ों वर्षों से निरन्तर जारी सौहार्द के प्रतीक में आयोजित होना वाला एकादशी रात्रि जुलूस धूमधाम के साथ शांति पूर्ण सम्पन्न हुआ। कस्बे में सर्व हितैषी व्यायाम शाला के तत्वाधान में निकलने वाला लगभग 125 वर्षों से जारी जुलूस पंडित लक्ष्मीधर शुक्ला की प्रतिमा ओर धर्म ध्वज की अगुवाई में ढोल ताशो के साथ निकाला गया। जुलूस के आरंभ में अखाड़ा, व्यायाम शाला परिसर में स्थित बालाजी मंदिर में संस्था सचिव पीतांबर मिश्रा, बालकिशन भाटीवाडा, मुख्य पुजारी दयाराम भाटीवाड़ा अध्यक्ष सुरेश पालडीवाला द्वारा विधिवत पूजा अर्चना की गई। जुलूस के दौरान शेखावाटी ढप मंडलियों के द्वारा लोक गीतों ओर धमाल की प्रस्तुतियां दी गई। जुलूस अखाड़ा परिसर से धर्म ध्वजा ओर पंडित लक्ष्मीधर शुक्ला की प्रतिमा के साथ रवाना हो कर मुख्य मार्गो से होते हुए श्याम मंदिर, शीतला मंदिर, सुभाष चौक, सौंथलीय गेट, मुख्य बाजार होते हुए नगर पालिका के पास फतेहपुर स्टैंड पर विधिवत पूजा के बाद धर्म ध्वज की स्थापना के बाद जुलूस का समापन हुआ। जुलूस को देखने के लिए बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुष देर रात्रि तक उपस्थित रहे। जुलूस के शांति पूर्ण सम्पन्न को लेकर थाना प्रभारी रामनारायण चोयल के नेतृत्व में मंडावा थाना सहित अतिरिक्त पुलिस बल की व्यवस्था चाक चौबंद रही। गौरतलब है कि ये आयोजन संस्थापक वैद्य लक्ष्मीधर शुक्ल द्वारा कस्बे में आपसी सौहार्द सद्भावना बनाए रखने को लेकर शुरू की गई थी। बसंत पंचमी के दिन धर्म ध्वज स्थापना के बाद से शुरू होने वाले 40 दिवसीय कार्यक्रमो के तहत इस एकादशी जुलूस का आयोजन होता है। इसी धर्म ध्वज की अगुवाई में विश्व स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाला विशाल धुलंडी का निकाला जाता है। इस जुलूस में कस्बे के साथ आसपास के क्षेत्रों के लोगों सहित बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक भी हिस्सा लेते हैं। इस जुलूस की विशेषता है कि महिलाएं,बच्चे, पुरुष सभी बेझिझक हिस्सा लेते हैं। जुलूस में पक्के रंग, अश्लीलता, कीचड़, पानी का उपयोग हथियार डंडे,वाहनों पर पूर्ण प्रतिबंध रहता है। देश में एक ऐसा जुलूस है जिसमे महिलाएं नए कपड़े पहन कर शिरकत करती है। हजारों की संख्या में लोग लोक गीतों पर रंगारंग धमालों की प्रस्तुतियां देते हैं।

श्री श्याम निशान यात्रा,बाबा का वार्षिकोत्सव, निकाली शोभायात्रा का जगह जगह हुआ पुष्प वर्षा से स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । कस्बे के वार्ड 21 स्थित श्री श्याम बाबा मंदिर का 39वा वार्षिकोत्सव स्थापना दिवस के रूप में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वार्ड नंबर 2 से श्रवण प्रजापत के घर 151 निशानों के साथ पद यात्रा के साथ बाबा श्याम को नगर भ्रमण करवाया गया। प्रारंभ में बाबा श्याम की जोत प्रज्ज्वलित कर विधिपूर्वक पूजा कर धोक लगाई गई। श्याम निशान पैदल यात्रा मुख्य मार्गों से होते हुए मुख्य बाजार, सुभाष चौक से होते हुए श्री श्याम मंदिर पहुंची जहां पूजा अर्चना के बाद निशान बाबा श्याम के दरबार में अर्पित किए गए। इस अवसर पर मुख्य पुजारी गोविंद चोटियां, संदीप चोटियां के सानिध्य में बाबा श्याम का अलौकिक श्रृंगार किया । स्थापना दिवस को लेकर श्याम मंदिर से बड़ी संख्या में महिलाओं ने निशानों के साथ श्याम दरबार की झाकियों के साथ शोभायात्रा निकाली। महाआरती के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। स्थापना दिवस से संध्या पर मंदिर में रात्री जागरण किया गया। सायंकाल की आरती के पश्चात भव्य कीर्तन लक्ष्मीनाथ सत्संग महिला मंडल,फतेहपुर और श्री राम चरण में ध्यान मित्र मंडल मंडावा द्वारा किया गया । इस अवसर पर कुणाल गाड़ोदिया,राजकुमार सिंघानिया,राम बिहारी पाराशर, बनवारी लाल गाड़ोदिया, रामलाल चोटिया, दीपक खांडल, रामचरण गाड़ोदिया, श्याम सुंदर केडिया, गोपाल केडिया, बजरंग बालान, नरोत्तम कुमावत, गोपाल सोनी, पुरुषोत्तम छापोला राजकुमार चौपदार सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

इकोनॉमिक सेल फतेहाबाद की बड़ी कार्रवाई : विदेश भेजने के नाम पर 5 लाख 7 हजार रुपए की ठगी करने वाला आरोपी काबू

आस्ट्रेलिया वर्क वीजा दिलाने का झांसा देकर की धोखाधड़ी, जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में इकोनॉमिक सेल फतेहाबाद ने विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने के मामले में एक आरोपी को काबू करने में सफलता हासिल की है। काबू किए गए आरोपी को नियमानुसार न्यायालय में पेश किया जाएगा। इकोनॉमिक सेल फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक संदीप सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता सुनील कुमार पुत्र सेवा सिंह निवासी गांव बलियावाला, तहसील टोहाना, जिला फतेहाबाद ने शिकायत दी कि आरोपी पीयूष गुप्ता पुत्र चेतन गुप्ता निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सोनीपत ने उसे आस्ट्रेलिया भेजने व वर्क वीजा दिलवाने का झांसा दिया। आरोपी ने कुल 15 लाख रुपए खर्च बताकर पहले किस्त के रूप में विभिन्न तिथियों पर करीब 5 लाख 7 हजार रुपए अलग-अलग माध्यमों से प्राप्त कर लिया। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी ने न तो वीजा लगवाया और न ही राशि वापस की। उल्टा फोन पर गाली-गलौच करते हुए झूठे केस में फंसाने व जान से मारने की धमकी दी। इस संबंध में थाना सदर टोहाना में अभियोग संख्या 245 दिनांक 08.12.2025 धारा 316(2), 318(4) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को काबू कर लिया गया। मामले की जांच जारी है। पुलिस आमजन से अपील करती है कि विदेश भेजने के नाम पर किसी भी एजेंट को धनराशि देने से पहले पूरी जांच-पड़ताल अवश्य करें।

टांकरडा में बलाई विकास समिति की बैठक संपन्न

महिला सम्मान समारोह का किया पोस्टर विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । टांकरडा ग्राम में स्थित बुनकर मोहल्ले में शनिवार को बलाई विकास समिति जयपुर मुख्यालय-चौमूं की ओर से महिला दिवस पर बलाई सभा-भवन मोरीजा रोड चौमूं में होने वाले महिलाओं का सम्मान समारोह को लेकर समाज के लोगों की बैठक समिति अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार की अध्यक्षता में संपन्न हुई।बैठक में समिति अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार एवं महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया ने बताया कि समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली समाज की महिलाओं के साथ ही समारोह में शामिल होने वाली सभी महिलाओं को सम्मान किया जाएगा। समारोह के संयोजक कालूराम सामरिया ने समारोह में अधिकाधिक संख्या में महिलाओं को पहुंचने के लिए आह्वान किया। इसके पश्चात समाज की महिलाओं द्वारा पोस्टर का विमोचन भी किया गया। इस दौरान समारोह के मुख्य संयोजक लालाराम मेहरडा, सहसंयोजक सेडूराम बुनकर, सहसंयोजक नानगराम लुनिवाल, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य गोपाल लाल हरसोलिया, सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक मोहनलाल हरसोलिया, मदनलाल हरसोलिया, राधेश्याम हरसोलिया, राजेंद्र हरसोलिया, गोदी देवी, सुंदरी देवी, चावली देवी, दीपा देवी, सुनीता देवी, ममता देवी, संतोष देवी, शांति देवी, पूजा देवी, निर्मला देवी, पार्वती देवी, पूजा देवी, निशा देवी, सोनू देवी, ममता देवी, कुशाल हरसोलिया आदि मौजूद रहे।

ओडीओपी-एमएसएमई नीतिःअब जिला उद्योग केंद्र के जीएम ही दे सकेंगे स्वीकृति

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राज्य सरकार की एक जिला एक उत्पाद नीति-2024 और राजस्थान एमएसएमई नीति -2024 के तहत स्वीकृति प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया गया है।अब इन दोनों योजनाओं के तहत आने वाले आवेदनों की जांच और स्वीकृति जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्रों के जीएम ही कर सकेंगे। इस बदलाव से आवेदन के निस्तारण में तेजी आएगी, जिससे ज्यादा लोगों को लाभ मिल सकेगा। पूर्व में इन योजनाओं के तहत आने वाले आवेदनों की जांच और स्वीकृति के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति कार्य करती थी, लेकिन अब इसको विलोपित कर दिया गया है। उससे जुड़े सभी अधिकार महाप्रबंधकों को दे दिए गए हैं। इसलिए अब एक निश्चित समयांतराल पर होने वाली बैठक का इंतजार किए बिना ही सामान्य प्रक्रिया के तहत आवेदनों पर एक्शन लिया जा सकेगा। बजट पर चर्चा के दौरान ऐसी घोषणा की गई थी। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग ने इसकी अधिसूचनाएं जारी कर दी हैं।

ईरान-इजरायल का असरःसोना 1.72 लाख रुपए 10 ग्राम, चांदी 2.95 लाख रुपए किलो

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । ईरान-इजरायल के बीच युद्ध शुरू होने के मद्देनजर शनिवार को जयपुर में एक दिन में सोना 8,500 रुपए प्रति दस ग्राम और चांदी 20,000 रुपए प्रति किलोग्राम महंगी हो गई। हालांकि, सर्राफा ट्रेडर्स कमेटी, जयपुर ने सुबह सोने का भाव 1,66,500 तथा चांदी का 2.84 लाख रुपए खोला था। लेकिन, जैसे ही ईरान पर इजरायल द्वारा मिसाइल हमले की खबर आई, सोने की कीमत बढ़ाकर 1.72 लाख रुपए प्रति दस ग्राम और चांदी की 2.95 लाख रुपए प्रति किलोग्राम कर दी गई। काबिलेगौर है कि 30 दिन बाद सोना 1.72 लाख और 29 दिन बाद चांदी 2.95 लाख रुपए के भाव बिकी। इससे पहले 30 जनवरी को सोना 1.75 लाख रुपए प्रति दस ग्राम और चांदी 3.15 लाख रुपए प्रति किलोग्राम थी। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में गिरावट के मद्देनजर 2 फरवरी को सोना 1.50 लाख रुपए तथा चांदी 2.41 लाख रुपए तक उतर गई थी। हालांकि, इसके बाद कीमतों में तेजी का रुख बना। इससे 26 दिन के दौरान सोना 22,000 रुपए प्रति दस ग्राम यानी 14.66 फीसदी और चांदी 54,000 रुपए प्रति किलोग्राम यानी 22.41 फीसदी महंगी हो चुकी है। उधर, सर्राफा ट्रेडर्स कमेटी के अध्यक्ष कैलाश मित्तल का कहना है कि ईरान-इजरायल के बीच युद्ध के मद्देनजर शनिवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार के हाजिर बाजार में सोना-चांदी की कीमतों में उछाल देखा गया। इस कारण जयपुर में भी कीमतें बढ़ गईं।

नवलगढ़ः गायत्री विद्यापीठ में 'ज्ञानोदय महोत्सव-2026' संपन्न, आधुनिक लैब और पुस्तकालय का हुआ उद्घाटन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नवलगढ़।

गायत्री विद्यापीठ में 'ज्ञानोदय महोत्सव-2026' का भव्य आयोजन खटीकान बगीची (सीकर) के पूज्य संत सेवादास महाराज (सांगलिया पीठ) के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर महाराज एवं अन्य अतिथियों द्वारा विद्यालय की अत्याधुनिक विज्ञान प्रयोगशाला, समृद्ध प्रज्ञा पुस्तकालय और आधुनिक कंप्यूटर लैब का विधिवत उद्घाटन किया गया।

संत सेवादास महाराज ने अपने आशीर्वचन में कहा कि शिक्षा केवल डिग्री का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कार और राष्ट्रभावना जागृत करने की साधना है। उन्होंने प्रधानाचार्य कृष्ण कुमार दायमा के नेतृत्व में विद्यालय द्वारा दी जा रही प्रयोगात्मक व डिजिटल शिक्षा की सराहना की। मुख्य अतिथि डॉ. दया शंकर जांगिड़ ने पिछड़े क्षेत्र में किए जा रहे इस शैक्षिक बदलाव को अनुकरणीय बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रधानाचार्य कृष्ण कुमार दायमा ने कहा कि उनकी टीम बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित है। विद्यालय का लक्ष्य केवल परीक्षा परिणाम नहीं, बल्कि संस्कारवान और तकनीकी रूप से दक्ष नागरिक तैयार करना है। वाइस प्रिंसिपल ज्योति दायमा ने बताया कि कक्षा तीसरी से ही विद्यार्थियों को प्रयोगात्मक शिक्षा और डिजिटल सशक्तिकरण से जोड़ा जा रहा है।समारोह में भामाशाह बाबूलाल तोषावड़ा, कैलाश चोटियां, मेजर डी. पी. शर्मा, मुरारी लाल सोनी सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। इस दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही, पत्रकार ओम प्रकाश सैनी, महावीर टेलर, रविन्द्र पारीक, हुक्म सिंह और कमल किशोर पंवार का सम्मान किया गया। अंत में डायरेक्टर संतोष दायमा व स्टाफ ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

मोनार्क अकादमी चिड़ावा का शानदार प्रदर्शन, सैनिक स्कूल एंट्रेंस एग्जाम 2026 में 25 विद्यार्थी सफल

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

मोनार्क अकादमी चिड़ावा के निदेशक संदीप चाहर ने बताया कि दिनांक 18 जनवरी 2026 को ऑल इंडिया सैनिक स्कूल एंट्रेस एग्जाम 2026 का आयोजन राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) द्वारा करवाया गया, जिसका परिणाम दिनांक 27 फरवरी 2026 को घोषित किया गया, ऑल इंडिया सैनिक स्कूल एंट्रेस एग्जाम 2025-26 में संस्था से कुल 25 विद्यार्थी प्रवेश परीक्षा में सफल हुए है यह संस्था जुड़े अभिभावकों के विश्वास, विद्यार्थियों के अथक परिश्रम व अनुभवी शिक्षकों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है कि लगातार संस्था सैनिक स्कूल परीणाम में परचम लहरा रही है। चयनित विद्यार्थी मेडिकल फिट होने पर भारत की श्रेष्ठ सैनिक स्कूल्स में कक्षा 6 से कक्षा 12वीं तक की पढ़ाई पूर्ण करेंगें, सैनिक स्कूल्स के विद्यार्थियों की NDA में 34 प्रतिशत सीट आरक्षित होने के कारण हृष्ठ परीक्षा में आसानी से सफल हो जाते है, हृष्ठ पास आउट होने के पश्चात निश्चित ही भविष्य में सिविल सर्विसेज व डिफेन्स में उच्च पदों को सुशोभित कर अपने माता-पिता के साथ-साथ क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। चयनित सभी छात्र-छात्राओं का माल्यार्पण एवं प्रतिक चिन्ह भेंटकर सम्मान करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

अम्बुजा फाउंडेशन की पहलः कोलायत में सुरक्षित खेती व महिला सशक्तिकरण पर जागरूकता कार्यक्रम

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर/श्री कोलायत।

सोहनलाल परिहार । अम्बुजा फाउंडेशन द्वारा संचालित 'बेहतर कपास परियोजना' के तहत श्री कोलायत क्षेत्र में किसानों एवं महिलाओं के लिए एक दिवसीय जागरूकता एवं महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सुरक्षित कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, बाल श्रम उन्मूलन के प्रति जागरूकता फैलाना तथा महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में सहभागी बनाना रहा। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने खेती में बढ़ते जोखिमों से किसानों को आगाह किया। कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग और 'कॉकटेल स्प्रे' के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। स्प्रे के समय व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई किट) के अनिवार्य उपयोग पर विशेष बल दिया गया, ताकि किसानों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। साथ ही बाल मजदूरी के सामाजिक और कानूनी दुष्परिणामों पर चर्चा करते हुए इसके पूर्ण उन्मूलन का आह्वान किया गया। लथंतं कार्यक्रम में किसानों को क्यूआर कोड स्कैन कर 'बेहतर कपास परियोजना' की जानकारी मोबाइल पर प्राप्त करने की प्रक्रिया समझाई गई। इसके अतिरिक्त 'लेबर मॉनिटरिंग रिस्क सिस्टम' एवं 'सभ्य कार्य' (डिसेंट वर्क) की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए श्रमिकों के अधिकारों और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपाय बताए गए।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का संदेश

पीयू मैनेजर श्री ललित सिंह भाटी के निर्देशन में भागीरथ खीचड़ ने किसानों एवं महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सतत और जिम्मेदार कृषि ही भविष्य का आधार है। उन्होंने महिलाओं से खेती के साथ-साथ सामाजिक एवं आर्थिक निर्णयों में भी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन महावीर जालप ने किया। उन्होंने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य बाल श्रम की रोकथाम, श्रमिक स्वास्थ्य संरक्षण और महिला सशक्तिकरण के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना है। कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रगतिशील किसान एवं बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर सुरक्षित खेती और सशक्त समाज की दिशा में संकल्प लिया।

लोहिया स्कूल के 12 छात्रों का सैनिक स्कूल में चयन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

लोहिया शिक्षण संस्था द्वारा संचालित लोहिया सैनिक, मिलिट्री अकादमी चिड़ावा ने एक बार फिर उत्कृष्ट शैक्षणिक गुणवत्ता का परिचय दिया है। संस्था के 12 छात्रों का सैनिक स्कूल में चयन हुआ है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर संस्थान परिसर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। चयनित छात्रों में दक्ष राव (पुत्र अजीत कुमार), दक्षराज सिंह (पुत्र शक्ति सिंह), हर्ष पायल (पुत्र अनिल कुमार), हर्षवर्धन (पुत्र राम साहू), खूशांत (पुत्र योगेंद्र सिंह), रक्षित (पुत्र सुनील कुमार), भारत (पुत्र कैलाश), हर्ष (पुत्र कैलाश), मयंक (पुत्र सुभाष कुमार), विनायक (पुत्र कमल), हर्षवाल वीरेंद्र (पुत्र महेंद्र सिंह) तथा योगेंद्र (पुत्र दीवान सिंह) शामिल हैं। सभी विद्यार्थियों को माला पहनाकर सम्मानित किया गया। समारोह में अध्यक्ष राम सिंह जी नेहरा, निदेशक जगपाल सिंह यादव, नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय सिंह बडेसरा, संस्था सचिव प्रदीप नेहरा, चेयरपर्सन ममता नेहरा, प्रिंसिपल प्रमोदानी दुबे, प्रधानाचार्य प्रमिला झाझरिया, गुलजार खान, पूरणमल एवं गजराज सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी ने छात्रों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर सैनिक अकादमी के अध्यापक ओमप्रकाश बरवड़ (कोऑर्डिनेटर), रविकांत शर्मा (HOD), हरीश सिमरन, कविया, अनुज शर्मा, विजेंद्र तथा अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया। संस्था प्रबंधन ने इसे सामूहिक प्रयास और विद्यार्थियों की मेहनत का परिणाम बताते हुए कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम देने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

दूदू में शिक्षा मंत्री दिलावर का संगठनात्मक संवादःउपमुख्यमंत्री बैरवा भी रहे मौजूद

कार्यकर्ताओं को एकजुटता का दिया मंत्र

भीम प्रज्ञा न्यूज

दूदू । शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने शनिवार को दूदू में एक कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक संवाद किया गया। कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया शिक्षा मंत्री दिलावर ने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने जोर दिया कि पार्टी की ताकत कार्यकर्ताओं के समर्पण और सक्रियता पर निर्भर करती है। उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने भी कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया और संगठनात्मक एकजुटता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने में कार्यकर्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। संवाद कार्यक्रम के बाद, कार्यकर्ता और स्थानीय जनसमूह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अजमेर आगमन के अभिनंदन के लिए एकजुट होकर रवाना हुए। इस पूरे आयोजन में उत्साह का माहौल रहा और कार्यकर्ताओं ने अपनी एकजुटता प्रदर्शित की। इस मौके पर प्रकाश चंद जैन, संजय सिंह सिरोही, दिलीप कुमावत सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एम.आर.एस. प्रनामी स्कूल में फागोत्सव की धूम फूलों की होली से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

स्थानीय एम.आर.एस. प्रनामी स्कूल में शनिवार को फागोत्सव का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि यहाँ केमिकल युक्त रंगों के बजाय फूलों की होली खेली गई, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों और समाज को पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश दिया गया। फागोत्सव के दौरान पूरा विद्यालय परिसर भगवान के भजनों से गुंजायमान रहा। फूलों की पंखुड़ियों के बीच बच्चे और स्टाफ सदस्य भक्ति गीतों पर जमकर थिरके। उत्सव का माहौल ऐसा था कि हर कोई होली के रंगों और भजनों के आनंद में सराबोर नजर आया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी (उपखंड कार्यालय) के.सी. कविया ने विद्यालय के इस नवाचार की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि फूलों की होली न केवल पर्यावरण को बचाती है, बल्कि यह बच्चों की सेहत के लिए भी सुरक्षित है। इससे केमिकल युक्त गुलाल से होने वाले स्किन इन्फेक्शन का खतरा नहीं रहता। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था सचिव अरविंद दाधीच ने की।

इस मौके पर संस्था निदेशक अनिल दाधीच ने बताया कि विद्यालय का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ अपनी संस्कृति और पर्यावरण के प्रति जागरूक करना भी है। इसीलिए हर वर्ष विद्यालय में इस तरह के संदेशपरक आयोजन किए जाते हैं। लेफ्टिनेंट आर.डी. शर्मा ने भी उपस्थित सभी लोगों को रंगों के इस पावन त्योहार की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या, समस्त स्टाफ और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। अंत में संस्था परिवार की ओर से सभी को सुरक्षित और सुखद होली की बधाई दी गई।

टोहाना के डीएसपी उम्मेद सिंह हुए सेवा निवृत्त, सम्मान से हुई विदाई

सेवानिवृत्ति केवल प्रक्रिया है, सेवा भाव जीवनभर रहता है – एसपी सिद्धांत जैन

भीम प्रज्ञा न्यूज.

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद/टोहाना। पुलिस लाइन में दोहर एक गरिमामय, भावनात्मक एवं सम्मानपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इसी क्रम में थाना शहर टोहाना में डीएसपी टोहाना नरसिंह की अध्यक्षता में डीएसपी श्री उमेद सिंह के सम्मान में विशेष समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर अपने संदेशात्मक संबोधन में पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन, आईपीएस ने सेवानिवृत्त होने वाले डीएसपी श्री उमेद सिंह सहित तीन अन्य पुलिस अधिकारियों को उनके दीर्घ, निष्कलंक एवं समर्पित सेवाकाल के लिए सम्मानित करते हुए उन्हें फतेहाबाद पुलिस का गौरव एवं प्रेरणास्रोत बताया।

भावुक क्षणों से भरा रहा समारोह - समारोह के दौरान वातावरण अत्यंत भावनात्मक रहा। जैसे ही डीएसपी श्री उमेद सिंह ने अपने सेवाकाल के अनुभव साझा किए, उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की आंखें नम हो गईं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, 'पुलिस की वर्दी केवल एक पद नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, विश्वास और जनसेवा का प्रतीक है। मैंने सदैव विभाग को परिवार समझकर कार्य किया है। आप सभी का सहयोग ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी है।' उनके इन शब्दों ने समारोह को और अधिक भावुक बना दिया। तालियों की गूंज के बीच सभी ने खड़े होकर उनका सम्मान किया।

सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्ति - इस अवसर पर पुलिस विभाग के चार अनुभवी, कर्तव्यनिष्ठ एवं समर्पित अधिकारियों को उनकी लंबी एवं सराहनीय सेवाओं के उपरांत सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त किया गया। पूरे समारोह का वातावरण सम्मान, गर्व एवं आत्मीयता से ओत-प्रोत रहाइन सभी अधिकारियों ने अपने सेवाकाल में कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं अनुकरणीय अनुशासन का परिचय देते हुए पुलिस विभाग की गरिमा एवं जनविश्वास को सुदृढ़ बनाए रखा।

एसपी ने सराहा समर्पण एवं योगदान - अपने संबोधन में पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन ने कहा, 'सेवानिवृत्त होने वाले सभी अधिकारियों ने अनेक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन निस्वार्थ भाव, पूर्ण निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ किया है। डीएसपी उमेद सिंह जैसे अधिकारी विभाग की रीढ़ होते हैं, जिनकी कार्यशैली और अनुशासन युवा पुलिसकर्मियों के लिए प्रेरणास्रोत है। विभाग को उनके अमूल्य योगदान पर गर्व है।' उन्होंने यह भी कहा कि सेवानिवृत्ति केवल एक औपचारिक प्रक्रिया है, जबकि समाज एवं राष्ट्र के प्रति सेवा भाव जीवनपर्यंत बना रहता है।

स्मृति-चिह्न भेंट कर दी भावभीनी विदाई - समारोह के समापन पर सेवानिवृत्त अधिकारियों को पारंपरिक रूप से पगड़ी पहनाकर एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। साथियों ने उन्हें गले लगाकर उज्ज्वल, स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं दीं, जिससे वातावरण और भी भावुक हो उठा। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कहा कि विभाग को उनकी कमी सदैव महसूस होगी, किंतु उनके अनुभव, मार्गदर्शन और मूल्यों की विरासत आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करती रहेगी।

भारत बनाम वेस्टइंडीज: सेमीफाइनल की राह तय करेगा कोलकाता का महामुकाबला, मौसम देगा पूरा साथ

कोलकाता (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का सबसे अहम मुकाबला 1 मार्च को कोलकाता के ईडन गार्डन में खेला जाएगा, जहां भारत और वेस्टइंडीज के बीच विजेता ही सेमीफाइनल में पहुंचेगा। यह मैच किसी क्वार्टरफाइनल से कम नहीं माना जा रहा है क्योंकि दोनों टीमों के पास आगे बढ़ने का यही आखिरी मौका है। भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 72 रनों की दमदार जीत के साथ अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। अब टीम इंडिया को शाई होप की अगुवाई वाली वेस्टइंडीज को हराना अनिवार्य है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज भी जीत के साथ सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश कर सकती है, जिससे मुकाबला और भी रोमांचक बन गया है।

मुकाबला रविवार शाम 7 बजे शुरू होगा, जबकि टॉस 6-30 बजे होगा। ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स इस हाई-वोल्टेज मैच का गवाह बनने जा रहा है। फैंस के मन में सबसे बड़ा सवाल मौसम को लेकर है क्या बारिश मैच बिगाड़ सकती है? शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, राहत की खबर है कि 1 मार्च को कोलकाता में बारिश की कोई संभावना नहीं है। मैच के दौरान आसमान साफ रहने की उम्मीद है। दिन में तापमान लगभग 34 डिग्री सेल्सियस तक और शाम को 25-26 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। कुल मिलाकर मौसम क्रिकेट के लिए आदर्श माना जा रहा है और फैंस को पूरे 40 ओवर का खेल देखने को मिल सकता है।

हालांकि बारिश की संभावना कम है, लेकिन यदि मैच किसी कारणवश रद्द होता है तो स्थिति दिलचस्प हो जाएगी। फिलहाल दोनों टीमों के पास 2-2 अंक हैं। मैच रद्द होने पर दोनों को एक-एक अंक मिलेगा और अंक तीन हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में बेहतर नेट रन रेट होने

के कारण वेस्टइंडीज सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकती है, जिससे भारत का सफर यहीं समाप्त हो सकता है। ऐसे में भारत को न सिर्फ जीत, बल्कि मौसम के पूरी तरह साथ देने की भी उम्मीद रहेगी। अब देखना है कि ईडन गार्डन्स में कौन सी टीम अपना 'करो या मरो' मुकाबला जीतकर अंतिम-चार में जगह बनाती है।

टीम इस प्रकार है

भारत: अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, मोहम्मद सिराज।

वेस्टइंडीज : ब्रैंडन किंग, शाइ होप (विकेटकीपर/कप्तान), शिमरन हेटमायर, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, जेसन होल्डर, मैथ्यू फोर्ड, अकील होसेन, गुडाकेश मोटी, शमार जोसेफ, क्वेंटिन सैम्पसन, जेडन सील्स, रोस्टन चेस, जॉनसन चार्ल्स।

आवासीय प्लॉट के कथित दुरुपयोग पर महेंद्र सिंह धोनी को नोटिस, हाउसिंग बोर्ड ने मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को झारखंड स्टेट हाउसिंग बोर्ड की ओर से रांची में आवासीय प्लॉट के कथित दुरुपयोग के मामले में नोटिस जारी किया गया है। बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। धोनी जहां एक ओर आईपीएल 2026 में खेलने की तैयारी कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर यह विवाद उनके पुराने आवास से जुड़े उपयोग को लेकर चर्चा में है। हाउसिंग बोर्ड के अनुसार धोनी को जो प्लॉट आवंटित किया गया था, वह केवल आवासीय उपयोग के लिए था, लेकिन आरोप है कि वहां व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। इसे आवंटन की शर्तों का उल्लंघन माना जा रहा है। बोर्ड की ओर से भेजे गए नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि व्यावसायिक उपयोग की अनुमति नहीं थी।

झारखंड स्टेट हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष संजयलाल पासवान ने बताया कि क्षेत्र में कई प्लॉट आवासीय उद्देश्य से दिए गए थे, लेकिन जांच में खुलासा हुआ कि कुछ भूखंडों पर व्यवसायिक कार्य किए जा रहे हैं। इसी आधार पर धोनी सहित कई अन्य लोगों को स्पष्टीकरण के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। हाउसिंग बोर्ड के मुताबिक यह अंतिम नोटिस है और यदि निर्धारित समय के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है, तो प्लॉट के आवंटन को रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। मामले की जांच जारी है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी। धोनी फिलहाल रांची के रिंग रोड स्थित अपने नए आवास में रहते हैं। विवादित संपत्ति उनका पुराना घर है, जो हरमू रोड पर स्थित है। आरोप है कि इस संपत्ति में एक डायग्नोस्टिक सेंटर संचालित किया जा रहा था, जिसके बाद हाउसिंग बोर्ड ने जांच आरंभ की। इसी क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के राज्य कार्यालय को भी आवासीय भूखंड के कथित दुरुपयोग पर पहले नोटिस जारी किया जा चुका है। इधर, धोनी मैदान पर वापसी को लेकर भी सुर्खियों में हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके धोनी 28 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2026 में एक बार फिर खेलते नजर आएंगे। उनकी उपस्थिति को लेकर प्रशंसकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

वानखेड़े में रवि शास्त्री के नाम पर स्टैंड, तीन दिग्गज खिलाड़ियों के नाम पर होंगे स्टेडियम के गेट

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने मुंबई और भारतीय क्रिकेट की गौरवशाली विरासत को सम्मान देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। एसोसिएशन ने निर्णय लिया है कि मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में लेवल-1 स्टैंड का नाम पूर्व भारतीय ऑलराउंडर रवि शास्त्री के नाम पर रखा जाएगा। इसी के साथ स्टेडियम के तीन प्रमुख गेट भी शहर के कुछ महान खिलाड़ियों को समर्पित किए जाएंगे। यह फैसला एमसीए की हालिया एपेक्स काउंसिल बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया।

एमसीए ने बताया कि प्रेस बॉक्स के ठीक नीचे स्थित लेवल-1 स्टैंड अब रवि शास्त्री के नाम से जाना जाएगा। खिलाड़ी, कप्तान, कोच और कमेंटेटर के रूप में भारतीय क्रिकेट को उनके अमूल्य योगदान के सम्मान में यह निर्णय लिया गया है। भारतीय क्रिकेट में चार दशक से अधिक समय तक उनकी भूमिका ने उन्हें खेल का एक बड़ा चेहरा बनाया है। स्टेडियम के गेट भी मुंबई क्रिकेट के तीन दिग्गजों को सम्मानित करेंगे। गेट नंबर 3 का नाम महान बल्लेबाज दिलीप सरदेसाई के नाम पर रखा जाएगा, जिन्होंने 30 टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। गेट नंबर 5 महिला क्रिकेट की अग्रणी हस्तियों में शामिल डायना एडुल्जी को समर्पित होगा, जिन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में अहम योगदान दिया। वहीं गेट नंबर 6 अब प्रसिद्ध ऑलराउंडर और क्लोज-इन फील्डर एकनाथ सोलकर के नाम से जाना जाएगा, जो अपनी फुर्ती और साहसिक फील्डिंग के लिए याद किए जाते हैं। एमसीए अध्यक्ष अजींक्य नाइक ने कहा कि मुंबई क्रिकेट की मजबूत आधारशिला इन खिलाड़ियों ने अपने खेल और अनुशासन से तैयार की है। उन्होंने कहा कि इन दिग्गजों का सम्मान करना न केवल अतीत की विरासत को सलाम करना है, बल्कि भावी पीढ़ियों को प्रेरणा देना भी है। उन्होंने कहा कि स्टेडियम में प्रवेश करने वाले हर दर्शक को अब मुंबई क्रिकेट की गौरवशाली यात्रा और इन महान खिलाड़ियों के योगदान की याद ताजा होगी। एमसीए के इस फैसले को क्रिकेट जगत में सराहनीय कदम माना जा रहा है, क्योंकि इससे शहर की क्रिकेट संस्कृति और खिलाड़ियों की विरासत को नए सिरे से

टी20 वर्ल्ड कप 2026: दक्षिण अफ्रीका की जीत की लय पर जिम्बाब्वे की चुनौती

-अरुण जेटली स्टेडियम में होगा हाई-स्टेक मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 चरण में रविवार दोपहर नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका जिम्बाब्वे आमने-सामने होंगी। प्रोटियाज अपनी अजेय लय को सात मैचों तक बढ़ाना चाहेंगे, जबकि जिम्बाब्वे टूर्नामेंट का समापन सम्मानजनक तरीके से करना चाहेगा। दक्षिण अफ्रीका इस वर्ल्ड कप में अब तक अपने सभी छह मुकाबले जीत चुका है और 10 के नेट रन रेट के साथ सबसे दमदार टीम के रूप में उभरा है। टीम अगर जिम्बाब्वे को मात देती है, तो यह टी20 प्रारूप में उसकी दूसरी सबसे लंबी जीत की श्रृंखला बन जाएगी। कप्तान एडन मार्करम बेहतरीन फॉर्म में हैं। वे 178 की स्ट्राइक रेट से 264 रन बना चुके हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। पावरप्ले में उनका स्ट्राइक रेट 200 रहा है, जो 50 से ज्यादा गेंद खेलने वाले बल्लेबाजों में सबसे ऊंचा है। मार्कराम के पास बाबर आजम (303 रन, 2021) के रिकॉर्ड को तोड़कर एक वर्ल्ड कप संस्करण में कप्तान द्वारा सर्वाधिक रन बनाने का मौका भी है।

दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी स्पिन के खिलाफ सबसे प्रभावी रही है, जहां टीम ने 9.9 रन प्रति ओवर की दर से रन बनाए। डेविड मिलर और क्विंटन डी कॉक को छोड़कर लगभग सभी बल्लेबाज 140+ के स्ट्राइक रेट पर खेल रहे हैं। गेंदबाजी में भी टीम का प्रदर्शन शानदार है। तेज गेंदबाज 37 विकेट चटका चुके हैं, जो इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक हैं। लुंगी एंगीडी 11 विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका की ओर से टी20 अंतराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने से सिर्फ एक विकेट दूर हैं। मार्को जानसेन के नाम भी 11 विकेट हैं, जबकि कगिसो रबाडा ने शुरुआती मैचों के बाद जोरदार वापसी की है।

जिम्बाब्वे की टीम भले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुकी है, लेकिन उनके अभियान में कई यादगार पल शामिल रहे। श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया को हराकर उन्होंने ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान हासिल किया था, हालांकि सुपर-8 में भारत और वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली हार से टीम की रफ्तार टूट गई। जिम्बाब्वे के ओपनर ब्रायन बेनेट ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचा है। वे अभी तक पांच पारियों में 277 रन बना चुके हैं और केवल एक बार आउट हुए हैं। उन्हें इस वर्ल्ड कप के एक संस्करण में सबसे अधिक रन बनाने वाले विराट कोहली (319 रन) के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए केवल 43 रन की जरूरत है।

नई दिल्ली की पिच पर लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को ज्यादा सफलता मिली है। यहां खेले गए पांच में से चार मैच दूसरी बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं। हेड-टू-हेड मुकाबलों में दक्षिण अफ्रीका 7-1 से आगे है, जिससे वह इस मैच में स्पष्ट रूप से मजबूत दावेदार दिखाई देता है। अब देखना यह होगा कि दक्षिण अफ्रीका अपनी जीत की लय बरकरार रखता है या जिम्बाब्वे आखिरी मुकाबले में बड़ा उलटफेर करता है।

रणजी ट्रॉफी जीत के बाद भावुक हुए पारस डोगरा, बोले 'यह मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी उपलब्धि'

हुबली। हुबली में इतिहास रचने के बाद पारस डोगरा अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाए। कर्नाटक के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल ड्रॉ रहने के बावजूद पहली पारी की बढ़त के आधार पर जीत दर्ज करने वाली जम्मू-कश्मीर के कप्तान ने कहा कि इस सफलता को शब्दों में बयां करना उनके लिए मुश्किल है। मैच के बाद डोगरा ने कहा, 卐सच कहूं तो मैं इसे समझा नहीं सकता। मेरे पास अभी कोई शब्द नहीं हैं। यह मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी चीज है और मैं इसके लिए बहुत शुक्रगुजार हूं।卐 उन्होंने जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ, सपोर्ट स्टाफ और खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि यह जीत सामूहिक मेहनत का नतीजा है। जम्मू-कश्मीर ने फाइनल में पहली पारी में 291 रन की भारी बढ़त लेकर मुकाबले पर मजबूत पकड़ बना ली थी। कर्नाटक के लिए वापसी का एकमात्र रास्ता था कि दूसरी पारी में विरोधी टीम को जल्दी आउट किया जाए। शुरुआती झटकों के बाद स्थिति चुनौतीपूर्ण लग रही थी, जब टीम 11/2 पर लड़खड़ा गई थी।

पिता के निधन के बाद टीम से जुड़ें रिंकू सिंह, देश के लिए निभाई जिम्मेदारी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा स्टार रिंकू सिंह अपने जीवन के सबसे कठिन दौर से गुजर रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बीच उनके पिता का निधन हो गया, लेकिन इस गहरे दुख के बावजूद रिंकू ने हिम्मत दिखाते हुए टीम इंडिया में दोबारा शामिल हो गए है और वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता के इडन गार्डन में होने वाले मैच के लिए तैयार हैं। रिंकू 26 फरवरी को भारत और जिम्बावे के बीच खेले गए मैच में मैदान पर मौजूद थे। हालांकि वे प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं थे, लेकिन सब्सटीट्यूट फील्डर के रूप में उन्होंने अपनी भूमिका निभाई। मैच खत्म होने के कुछ घंटे बाद, 27 फरवरी की सुबह उन्हें उनके पिता खानचंद सिंह के निधन की दुखद सूचना मिली। उनके पिता लिवर कैंसर के चौथे स्टेज से जूझ रहे थे। सूचना मिलते ही रिंकू

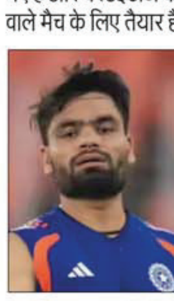

चेन्नई से सीधे अपने शहर अलीगढ़ पहुँचे और अपने पिता के पार्थिव शरीर को कंधा देकर अंतिम संस्कार किया। इससे पहले भी, वह टूर्नामेंट के दौरान अपने पिता की खराब तबीयत के चलते अस्पताल गए थे, लेकिन देश की जिम्मेदारी को देखते हुए टीम के साथ जम्बिाब्वे मैच से पहले फिर जुड़ गए थे। भारत का अगला और बेहद अहम मुकाबला 1 मार्च को इडन गार्डन में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला जाएगा। यह मैच किसी क्वार्टर फ़ाइनल से कम नहीं है, क्योंकि जीतने वाली टीम सीधे सेमीफाइनल में जगह बनाएगी। टीम की जरूरत को देखते हुए रिंकू का यह फैसला क्रिकेट जगत और प्रशंसकों के बीच बेहद सराहा जा रहा है। निजी त्रासदी के बावजूद देश के लिए तत्पर रहने का उनका यह साहसिक कदम युवाओं के लिए प्रेरणा बन गया है।

तीसरे वनडे में साख बचाने उतरेगी भारतीय महिला टीम

-बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में सुधार की सख्त जरूरत

होबार्ट (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे में एकतरफा हार झेलने के बाद मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय महिला क्रिकेट टीम अब पूरी तरह बैकफुट पर खड़ी है। रविवार को होबार्ट में होने वाला तीसरा और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच भारत के लिए केवल सम्मान बचाने का मौका है। ऑस्ट्रेलिया पहले ही 2-0 की अजेय बढ़त लेकर श्रृंखला अपने नाम कर चुका है और यह लगातार 12वीं बार है जब भारत द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में इस प्रतिद्वंद्वी से हार चुका है। भारत की सबसे बड़ी चिंता उसकी कमजोर बल्लेबाजी रही है। पहले वनडे में पावरप्ले के भीतर ही तीन महत्वपूर्ण विकेट खोने के बाद टीम 214 पर सिमट गई। दूसरे वनडे में हालांकि टीम ने 78 रनों की शानदार साझेदारी से शुरुआत की, लेकिन मध्य और निचले क्रम ने इसे भुनाया नहीं। 17वें से 31वें ओवर के बीच मात्र 52 रनों पर पांच विकेट गंवाना टीम के पतन की बड़ी वजह रहा। परिणामस्वरूप भारत नौ विकेट पर 251 रन ही बना पाया, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से हासिल कर लिया।

टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जहां दो अर्धशतक जड़े, वहीं युवा सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल ने शून्य पर आउट होने के बाद शानदार अर्धशतक से वापसी की। स्मृति मंधाना भी दो मैचों में 31 और 58 रन बनाकर अच्छी लय में दिखीं। लेकिन अनुभवी खिलाड़ियों जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा का फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। हरमनप्रीत ने भी स्वीकार किया कि टीम ने बार-बार वही गलतियां दोहराईं और महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट गंवाए जिससे बड़ा स्कोर खड़ा नहीं हो सका। भारत की गेंदबाजी की स्थिति भी उतनी मजबूत नहीं दिखी। दीप्ति ने दो मैचों में तीन विकेट जरूर लिए, लेकिन उनके अलावा तेज गेंदबाज काशवी गौतम और क्रांति गौड़ को पावरप्ले में अधिक प्रभावी होने की जरूरत है। श्री चरणी पहले मैच में दो विकेट लेने के बाद दूसरे मैच में काफी महंगी साबित हुईं। खराब फील्डिंग ने टीम की परेशानियां और बढ़ाईं गौड़, मंधाना और ऋचा घोष के कैच छोड़ने से ऑस्ट्रेलिया को और बढ़त मिली।

इसके विपरीत ऑस्ट्रेलियाई टीम ने हर विभाग में अपना दबदबा कायम रखा है। दूसरे वनडे में जॉर्जिया वोल के दमदार शतक और फीबी लिचफील्ड की शानदार बल्लेबाजी ने मैच को एकतरफा बना दिया। पहले मैच में बेथ मूनी, एलिसा हीली और एनाबेल सदरलैंड ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। गेंदबाजी में मेगन शट, एशले गार्डनर, अलाना किंग और सदरलैंड ने लगातार विकेट निकालकर भारतीय बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। भारत भले ही टी20 श्रृंखला 2-1 से जीत चुका है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की दो वनडे की जीत ने बहु-प्रारूप श्रृंखला में उसे 6-4 की बढ़त दिला दी है। भारत को न केवल तीसरे वनडे में बल्कि पर्थ में होने वाले एकमात्र टेस्ट में भी दम दिखाना होगा, ताकि इस दौरे का अंत निराशाजनक न हो और टीम अपनी प्रतिष्ठा बचा सके।

टीम इस प्रकार हैं

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, काशवी गौतम, हरलीन देयोल, प्रतिका रावल।

ऑस्ट्रेलिया: एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनी (उप-कप्तान), डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, एशले गार्डनर, किम गार्थ, अलाना किंग, फीबी लिट्चफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, एलीसे पेरी, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

'संजू सैमसन को अब मौका लपकना होगा' : अश्विन

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया की बल्लेबाजी पहली बार पूरी तरह चमककर सामने आई जब ग्रुप स्टेज खत्म हो चुका था और सुपर-8 का पहला मुकाबला टीम हार चुकी थी। सेमीफाइनल की उम्मीदें 'अगर-मगर' पर टिकी थीं, लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों ने ऐसा प्रदर्शन किया जिसने टूर्नामेंट में नई जान फूंक दी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए टी20 वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर 256 रन खड़ा किया और मुकाबला 72 रन से जीत लिया। इस मैच में संजू सैमसन को मौका दिया गया और उन्हें अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग में उतारा गया। दोनों ने सिर्फ 22 गेंदों में 48 रन की तेज साझेदारी की। सैमसन 15 गेंद में 24 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन उन्होंने पावरप्ले में वह आक्रामक शुरुआत दे दी जिसकी टीम को सख्त जरूरत थी। इस दमदार जीत और सैमसन की पारी पर दिग्गज ऑफ स्पिनर रवचन्द्रन अश्विन ने

अपने यूट्यूब चैनल पर खास प्रतिक्रिया दी। अश्विन ने कहा कि सैमसन को आक्रामक क्रिकेट के रास्ते पर चलते रहना होगा और यह उनके लिए सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा, 'मैं जिस संजू सैमसन को जानता हूं, मुझे उसकी क्षमता पर पूरा भरोसा है। भारत को वर्ल्ड कप के दौरान ओपनिंग में समस्या थी, लेकिन इस मैच ने उसे दूर कर दिया। अगर सैमसन यहां से फाइनल तक 15 गेंदों में 28 या 30 रन भी बना देते हैं, तो वह टीम के लिए अपना काम कर चुके होंगे। बड़े स्कोर भी बन सकते हैं, लेकिन उनकी भूमिका यही है तेजी से टीम को शुरुआत देना।' अश्विन ने आगे कहा कि वे सैमसन को बड़ी पारी खेलते देखना चाहते हैं। 'मैं चाहता हूं कि सैमसन अच्छी शुरुआत को मैच-विनिंग पारी में बदलें। यह उनके लिए अब तक का सबसे बड़ा मौका है। सालों की मेहनत के बाद इस मंच तक पहुंचे हैं, उन्हें इसे पकड़ना होगा। अगर नाकाम भी होते हैं, तो यह जरूर कह पाएंगे कि उन्होंने कोशिश की। मैं चाहता हूं कि वह इस वर्ल्ड कप में एक शतक लगाएं या मैच जिता दें वे इसके हकदार हैं।' भारत के लिए अब अगला और सबसे अहम सुपर-8 मुकाबला 1 मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ होगा। यह मैच क्वार्टर फाइनल जैसा है जो टीम जीतेगी वही सेमीफाइनल में जाएगी। ग्रुप-1 से दक्षिण अफ्रीका पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुका है। ऐसे में सैमसन और टीम इंडिया पर सबकी निगाहें टिकी रहेंगी।

जम्मू-कश्मीर में क्रिकेट का नया सूरज, रणजी ट्रॉफी जीतकर मनाया जश्न, पीएम मेदी ने दी बधाई

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जम्मू और कश्मीर टीम को उनकी पहली रणजी ट्रॉफी जीत पर बधाई दी और उनके असाधारण साहस, अनुशासन और जुनून की सराहना की। जम्मू और कश्मीर ने 67 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए शनिवार को हुबली में खेले गए रणजी ट्रॉफी के फाइनल में मजबूत टीम कर्नाटक को हराया। पीएम मोदी ने एक पोस्ट में लिखा कि जम्मू और कश्मीर टीम को उनकी पहली रणजी ट्रॉफी जीत पर बधाई! यह ऐतिहासिक जीत टीम के असाधारण साहस, अनुशासन और जुनून को दर्शाती है। यह जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए गर्व का क्षण है और वहां के बढ़ते खेल प्रेम और प्रतिभा को उजागर करता है। आशा है कि यह उपलब्धि कई युवा खिलाड़ियों को बड़े सपने देखने और अधिक खेलने के लिए प्रेरित करेगी।

जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कर्नाटक के खिलाफ ऐतिहासिक पहली रणजी ट्रॉफी जीत के लिए जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम को हार्दिक बधाई दी है। सिन्हा ने इस उपलब्धि को केंद्र शासित प्रदेश के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के असाधारण प्रदर्शन और समर्पण की सराहना की। सिन्हा ने पत्रकारों से कहा कि जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम ने रणजी टूर्नामेंट में बहुत ही सराहनीय प्रदर्शन किया है। टीम को मेरी शुभकामनाएं।

X पर एक पोस्ट में उपराज्यपाल ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर का गौरवशाली क्षण आ गया है! हमारी क्रिकेट टीम को रणजी ट्रॉफी जीतते हुए देखकर मेरी भावनाएं शब्दों से परे उमड़ रही हैं। उन सभी खिलाड़ियों को जिन्होंने अपने दृढ़ संकल्प से इतिहास रचा- पूरे केंद्र शासित प्रदेश की ओर से आपको धन्यवाद, हम गर्व से फूले नहीं समा रहे हैं। आपने इतिहास को अमर कर दिया है - इसे सम्मान के साथ अपनाएं। मैं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 2019 के बाद केंद्र शासित प्रदेश में शुरू हुई खेल क्रांति के लिए आभारी हूं। सभी युवाओं से- इस जोश को अपने क्षितिज को प्रज्वलित करने दें- अथक और लगन से प्रशिक्षण लें। इस जीत को आधार बनाकर प्रभुत्व के युगों का नेतृत्व करें - जम्मू-कश्मीर का अजेय भविष्य आपसे शुरू होता है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 के फाइनल में जीत के बाद जम्मू और कश्मीर क्रिकेट टीम को बधाई दी और इसे दृढ़ता और लगन का एक उल्लेखनीय उदाहरण बताया। पारस डोगरा के नेतृत्व वाली जम्मू और कश्मीर टीम ने 67 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए मजबूत टीम कर्नाटक को हराया। अपने पहले रणजी फाइनल में खेलते हुए, जम्मू और कश्मीर ने पहली पारी में 291 रनों की विशाल बढ़त के दम पर खिताब जीता। यह बढ़त आठ बार की चैंपियन कर्नाटक टीम के लिए नामुमकिन साबित हुई, जिसकी कप्तानी देवदत्त पडिक्कल कर रहे थे। शाह ने अपने खाते पर न सिर्फ खिलाड़ियों बल्कि पर्दे के पीछे काम करने वाली पूरी टीम की सराहना की।

उन्होंने लिखा कि जम्मू-कश्मीर की भारतीय टीम को उनके दृढ़ संकल्प और लगन की अद्भुत कहानी के लिए हार्दिक बधाई। खिलाड़ी प्रशंसा के पात्र हैं, लेकिन जम्मू-कश्मीर के कोचिंग स्टाफ, प्रबंधन और प्रशासकों के योगदान को भी नहीं भूलना चाहिए, जिन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को संभव बनाने के लिए पर्दे के पीछे अथक परिश्रम किया है। मुझे विश्वास है कि यह जीत इस क्षेत्र की वर्तमान पीढ़ी के दिलों में आत्मविश्वास जगाएगी और आने वाली पीढ़ी को बल्ला या गेंद उठाने के लिए प्रेरित करेगी। हमारा खेल दुनिया भर में प्रेरणा की ऐसी कहानियों से समृद्ध है, और मुझे उम्मीद है कि इस कहानी को भी उतना ही सम्मान मिलेगा।

फाफ डु प्लेसिस ने किया 2026 विश्व कप फाइनल का बड़ा प्रिडिक्शन

नई दिल्ली । टीम इंडिया ने टी-20 विश्व कप में सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को अब भी बरकरार रखा है। सुपर-8 चरण में साउथ अफ्रीका से पहला मुकाबला हारने के बाद टीम इंडिया पर उठ रहे सवाल अब इस जीत के साथ तारीफों में बदल गए हैं। अगर भारत अपने अगले मुकाबले में वेस्टइंडीज को मात दे देता है, तो उसके लिए सेमीफाइनल का रास्ता लगभग साफ हो जाएगा। वहीं, ग्रुप की अंकतालिका में दक्षिण अफ्रीका लगातार दो जीत के साथ और जिम्बाब्वे की दो हार के चलते पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुका है। इसी बीच दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने एक बड़ा दावा किया है। उन्होंने एक कार्यक्रम में बात करते हुए भविष्यवाणी की कि टी-20 विश्व कप 2026 का फाइनल भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। फाफ ने कहा, 'भारत बेहद मजबूत टीम है और अपनी सरज़मीन पर कभी कमजोर नहीं पड़ती।' उन्होंने आगे कहा कि उनके अनुसार इस बार दक्षिण अफ्रीका फाइनल जीतकर पहली बार विश्व चैंपियन बनेगा। फाफ ने मज़ाकिया अंदाज में यह भी कहा कि फाइनल में डेविड मिलर बिलकुल वैसा ही कैच लेंगे जैसा सूर्यकुमार यादव ने टी-20 विश्व कप 2024 के फाइनल में लिया था।

मलाइका अरोड़ा ने पहनी ऐसी ड्रेस कि चलना हुआ मुश्किल!

यूजर्स ने कमेंट में इस डर की तरफ किया इशारा

अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा 52 साल की उम्र में भी काफी फिट रहने के लिए जानी जाती हैं। वह अपने अलग-अलग स्टाइल से फैंस का ध्यान खींचती रहती हैं। हाल ही में उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस पर फैंस कमेंट कर रहे हैं।

वायरल वीडियो में क्या है: सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हो रहा है, उसमें देखा जा सकता है कि मलाइका अरोड़ा ने हरे रंग की काफी लंबी ड्रेस पहनी है। यह ड्रेस इतनी लंबी है कि जब वह चलती हैं, तो यह उनके पैरों तले आ रही है। उन्हें सीढ़ी उतरने के लिए एक आदमी का सहारा लेना पड़ रहा है। वह जब चल रही हैं, तो ऐसा लग रहा है कि वह गिर जाएंगी।

फैंस ने किए कमेंट: वायरल वीडियो को कई लोगों ने लाइक किया है। कई यूजर्स ने मलाइका के लुक की तारीफ की है। वहीं कई फैंस ने इस बात को नोटिस किया है कि वह ड्रेस पहन कर चल नहीं पा रही हैं। एक यूजर ने कमेंट बॉक्स में लिखा है 'गिरने का इंतजार कर रही हैं।' एक और यूजर ने लिखा है 'गिर जाओगी।' एक यूजर ने उनकी तारीफ करते हुए लिखा है 'स्टाइल आइकन।'

चर्चा में आईं मलाइका: हाल ही में मलाइका अरोड़ा का एक फोटो वायरल हुआ था। फोटो में वह हर्ष मेहता के साथ रोम के मशहूर ट्रेवी फाउंटेन पर सेल्फी ले रही थीं। इससे उनके रिश्ते की अटकलें लगीं। हालांकि मलाइका और हर्ष में से किसी ने भी अपने रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में कुछ नहीं कहा।

अर्जुन कपूर के साथ जुड़ चुका नाम: मलाइका अरोड़ा पहले बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर के साथ लंबे समय तक रिलेशनशिप में थीं। उनका रिश्ता 2018 के आसपास शुरू हुआ। 2024 में वे अलग हो गए।

अरबाज के साथ रिश्ता: मलाइका अरोड़ा ने साल 1998 में अरबाज खान से शादी की थी। दोनों ने साल 2002 में बेटे अरहान खान का स्वागत किया। 19 साल साथ रहने के बाद दोनों 2017 में अलग हुए।

आलिया भट्ट ने 'नमस्ते' से जीता दुनिया का दिल, हॉलीवुड के दिग्गजों के बीच बिखेरा भारतीय रंग!

ब्रिटिश एकेडमी फिल्म एंड टेलीविजन आर्ट्स पुरस्कारों के 2026 संस्करण में बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपनी सादगी और भारतीय जड़ों से पूरी दुनिया का ध्यान खींच लिया। जिसे 'ब्रिटिश ऑस्कर' कहा जाता है, उस प्रतिष्ठित मंच पर आलिया ने न केवल अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, बल्कि अपनी मातृभाषा हिंदी को वैश्विक सम्मान भी दिलाया। सिल्वर गाउन में बेहद खूबसूरत लग रही आलिया भट्ट जब मंच पर 'बेस्ट फिल्म नॉट इन इंग्लिश लैंग्वेज' का पुरस्कार पेश करने आईं, तो उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत एक सरल 'नमस्कार' के साथ की। हॉस्ट एलन कमिंग द्वारा परिचय दिए जाने के बाद आलिया ने हिंदी में कहा: 'अगला अवार्ड एक ऐसी फिल्म के लिए है, जो अंग्रेजी में नहीं है।' इसके तुरंत बाद उन्होंने मजाकिया लहजे में अंग्रेजी में जोड़ा, 'अभी सबटाइटल्स की तलाश मत कीजिए'। उन्होंने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि फिल्में अनगिनत आवाजों में बोलती हैं, फिर भी सिनेमा की भावना वैश्विक होती है।

कॉमेडी और इमोशन के दो छोर पर खड़ीं संदीपा धर

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की दुनिया में एक कलाकार की पहचान उसके प्रोजेक्ट्स के सेलेक्शन से बनती है। ऐसे में अगर कलाकार अलग-अलग जॉनर में खुद को आजमाने का रिस्क उठाए, तो उसका सफर और भी दिलचस्प हो जाता है। इन दिनों एक्ट्रेस संदीपा धर अपने दो बिल्कुल अलग-अलग प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। एक ओर वह आने वाले शो 'चुंबक' में हल्की-फुल्की फैमिली कॉमेडी का हिस्सा हैं, तो दूसरी ओर फिल्म 'दो दीवाने शहर में' में उनका किरदार नैना दर्शकों को इमोशनल कर रहा है।

एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि कैसे इन दोनों प्रोजेक्ट्स ने उन्हें एक कलाकार के रूप में चुनौतियां दीं। संदीपा 'चुंबक' को लेकर बेहद उत्साहित नजर आईं। उन्होंने इस प्रोजेक्ट के बारे में बताया कि यह एक ऐसी फैमिली कॉमेडी है, जिसे हर उम्र का दर्शक साथ बैठकर देख सकता है। उन्होंने कहा, 'आज के दौर में कंटेंट अक्सर बोल्ड देखने को मिलता है, लेकिन 'चुंबक' रिश्तों की गर्माहट को महसूस करने की कोशिश करती है। इसमें किसी तरह की भद्दी कॉमेडी या असहज करने वाले जोक्स नहीं हैं। कहानी पड़ोसियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां लोग एक-दूसरे के घर बेझिझक आते-जाते हैं, साथ खाना खाते हैं, जिससे रिश्ते अपनेपन वाले बनते थे।'

संदीपा मानती हैं कि आज के समय में यह पड़ोस कल्चर लगभग खत्म हो चुका है और 'चुंबक' उसी खोए हुए अपनापन को वापस लाने की कोशिश है। संदीपा के लिए कॉमेडी का अनुभव नया है। इस पर उन्होंने कहा, 'कॉमेडी जितनी सहज दिखती है, उतनी होती नहीं है। टाइमिंग, रिएक्शन और सिचुएशनल ह्यूमर को पकड़ना आसान नहीं होता। इसमें रिद्म और सटीकता बेहद जरूरी है, लेकिन अनुभवी कलाकारों के साथ काम करने से काफी कुछ सीखने को मिल रहा है। सेट पर हल्के-फुल्के माहौल और टीम के सपोर्ट ने इस जॉनर को समझने में मेरी काफी मदद की है। नीना गुप्ता, सुमित राघवन, सुमित व्यास और देवेन भोजानी जैसे कलाकारों के साथ शूटिंग करना किसी एक्टिंग स्कूल से कम नहीं है। सेट पर कोई सीनियर-जूनियर नहीं है, सब दोस्त जैसे हैं और माहौल पूरी तरह फैमिलियर हो चुका है।'

संदीपा के लिए इसके बिल्कुल उलट 'दो दीवाने सहर में' का अनुभव भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण रहा। हाल ही में रिलीज हुई इस फिल्म में उन्होंने नैना नाम की लड़की का किरदार निभाया। फिल्म में उनकी स्क्रीन टाइमिंग कम थी, लेकिन बावजूद इसके उन्होंने कहानी में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी।

'डंकी जैसी फिल्म मुझे मिलना मुश्किलः तापसी पन्नू

अभिनेत्री तापसी पन्नू अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'अस्सी' के लिए इन दिनों खूब तारीफें बटोर रही हैं। फिल्म को क्रिटिक्स ने काफी पसंद किया है और एक्टिंग की भी तारीफ हो रही है। तापसी अक्सर गंभीर मुद्दों पर आधारित फिल्में करती हैं। इसीलिए तापसी का मानना है कि 'डंकी' जैसी फिल्म उन्हें मिलना काफी मुश्किल होता है। उन्होंने 'डंकी' को अपनी फिल्मोग्राफी में एक तोहफा बताया है। स्क्रीन के साथ बातचीत में तापसी पन्नू से जब पूछा गया कि 'डंकी' जैसी कमर्शियल फिल्म करने के बाद 'अस्सी' जैसी गंभीर और मुद्दे वाली फिल्म करने की प्रेरणा कहां से मिलती है? इस पर अभिनेत्री ने कहा कि 'डंकी' जैसी फिल्म मेरे जैसी अभिनेत्री के लिए मिलना मुश्किल है, क्योंकि मैं कोई कमर्शियल, मेनस्ट्रीम या सफल हीरोइन नहीं हूं। मुझे यह रोल इसलिए मिला, क्योंकि शायद उस रोल के लिए मुझ जैसी एक्ट्रेस की जरूरत थी। मुझे यही बताया गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि मैंने 'अस्सी' और 'गांधारी' जैसी फिल्में पहले की हैं। इन्हीं फिल्मों ने मुझे इंडस्ट्री में अपनी जगह और पहचान दिलाई है। तो, यही मेरी सच्चाई है। 'डंकी' इन 10 साल के लिए मिला एक तोहफा है। आगे 'डंकी' जैसी कमर्शियल फिल्म मिलने के बारे में एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे नहीं पता कि मुझे दूसरी फिल्म मिलने में कितना समय लगेगा। यह एक संघर्ष है, क्योंकि उन्हें अभी भी इस बात को स्वीकार करना है कि 'हमें उसे पूरी तरह से सजे-धजे रूप में दिखाना होगा।' मैंने अपने कॅरियर की शुरुआत दक्षिण में बड़े पैमाने पर बनी फिल्मों से की। मैंने अपने हिंदी कॅरियर की शुरुआत डेविड धवन के साथ की। इससे ज़्यादा कमर्शियल और बोल्ड फिल्म और क्या हो सकती है। फिर मैंने अनुभव सिन्हा और अनुराग कश्यप के साथ काम किया है। निर्देशकों का चुनाव बहुत ही अनोखा होता है। मैं यह कर सकती हूं और वह कर सकती हूं। मुझे पता है कि किस चीज ने मुझे एक खास दर्शक वर्ग दिलाया। भले ही वह छोटा हो, लेकिन मुझे खुशी है कि मैंने उन लोगों का विश्वास जीता है। हर अभिनेत्री को यह सौभाग्य नहीं मिलता। इसलिए, यह मेरा अपना क्षेत्र है। राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित 'डंकी' एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जो इल्लीगल इमिग्रेशन टेक्निक 'डंकी फ्लाइट' पर आधारित है। फिल्म में शाहरुख खान ने मुख्य भूमिका निभाई है, उनके साथ तापसी, बोमन ईरानी, अनिल ग्रोवर और विक्रम कोचर भी हैं। विक्की कौशल ने फिल्म में कैमियो किया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। 'अस्सी' की बात करें तो अनुभव सिन्हा द्वारा निर्देशित यह फिल्म भारत में होने वाली दुष्कर्म जैसी घटनाओं पर आधारित है। फिल्म में बताया गया है कि देश में हर 20 मिनट में एक दुष्कर्म की घटना होती है। यानी हर दिन अस्सी दुष्कर्म होते हैं। फिल्म में तापसी पन्नू प्रमुख भूमिका में नजर आई हैं। उनके साथ फिल्म में कनी कुश्रुति, जीशान अय्यूब, कुमुद मिश्रा, मनोज पाहवा और सुप्रिया पाठक भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं।

तांत्रिक लुक में अक्षय कुमार, 'भूत बंगला' ने बढ़ाया हॉरर-कॉमेडी का रोमांच

इस सिंहासन को खास तौर पर डरावना बनाने के लिए उस पर भूतों के सिर जैसी आकृतियां बनाई गई हैं

अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म 'भूत बंगला' की घोषणा के बाद से ही यह प्रोजेक्ट लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। इस हॉरर-कॉमेडी के जरिए अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की हिट जोड़ी करीब 16 साल बाद बड़े पर्दे पर साथ लौट रही है। इससे पहले दोनों ने 'हेरा फेरी' और 'भागम भाग' जैसी फिल्मों में साथ काम किया था, जिन्हें आज भी पसंद किया जाता है। ऐसे में 'भूत बंगला' को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है। फिल्म की रिलीज डेट पहले ही घोषित की जा चुकी है, लेकिन अब अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नया मोशन पोस्टर साझा किया है। इस मोशन पोस्टर में अक्षय कुमार का अंदाज बिल्कुल अलग और डरावना नजर आ रहा है। पोस्टर में वह एक खौफनाक सिंहासन पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। इस सिंहासन को खास तौर पर डरावना बनाने के लिए उस पर भूतों के सिर जैसी आकृतियां बनाई गई हैं। इस पर बैठे अक्षय ने आंखों पर काला चश्मा लगाया हुआ है और गले के साथ-साथ हाथों में कई रुद्राक्ष और अन्य मालाएं पहनी हुई हैं। एक हाथ में वह माला जपते दिखाई देते हैं, जिससे उनका लुक किसी तांत्रिक जैसा लगता है। उन्होंने धोती पहनी हुई है। बैकग्राउंड में हल्का अंधेरा और धुंधला माहौल है, जो इस सस्पेंस को बनाए रख रहा है। इस पोस्टर को साझा करते हुए अक्षय कुमार ने एक मजेदार कैप्शन भी लिखा, जिसने फैंस की जिज्ञासा को बढ़ा दिया है। कैप्शन में लिखा गया है, ÷दस को देंगे दस्तक, इंतजार करो तब तक। मस्ती शुरू होने दो।' 'भूत बंगला' फिल्म 10 अप्रेल को रिलीज होने वाली है। मोशन पोस्टर के सामने आते ही फैंस ने कमेंट सेक्शन में उत्साह जताना शुरू कर दिया। फैंस ने अक्षय और प्रियदर्शन की वापसी को लेकर खुशी जाहिर की। एक फैन ने कमेंट में लिखा, 'यानी अब मुझे 'भूल भुलैया' जैसी कॉमेडी फिल्म फिर से देखने को मिलेगी।' वहीं, दूसरे फैन ने लिखा, 'मैं रिलीज डेट को लेकर काउंटडाउन शुरू कर रहा हूं।' अन्य फैंस ने अक्षय के इस नए लुक को 'खतरनाक' और 'एकदम अलग' बताया।

लॉस एंजिल्स में हुई रणबीर कपूर की 'रामायण' की खास स्क्रीनिंग

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित रणबीर कपूर स्टारर 'रामायण' को इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म माना जा रहा है। फैंस फिल्म के टीजर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस साल दिवाली में रिलीज होने वाली 'रामायण' की पहली खास स्क्रीनिंग अमेरिका के लॉस एंजिल्स के सिनेमार्क प्लाया विस्टा थिएटर में की गई। जानकारी के मुताबिक, फिल्म को वहां काफी सराहना मिली है।

द वीक की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'रामायण' की पहली स्क्रीनिंग लॉस एंजिल्स के सिनेमार्क प्लाया विस्टा थिएटर में आयोजित की गई। यह स्पेशल स्क्रीनिंग 18 से 60 वर्ष की उम्र के चुनिंदा दर्शकों के लिए की गई थी। स्क्रीनिंग से मिली शुरुआती प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं, जिनके मुताबिक फिल्म को काफी पसंद किया गया है। दर्शकों ने इतने बड़े स्तर पर बनाई गई इस फिल्म के शानदार सीन, विजुअल इफेक्ट्स और कहानी कहने के प्रति फिल्म की डिटेलिंग की तारीफ की है। रिपोर्ट में आगे स्पष्ट किया गया है कि जो दिखाया गया, वह फिल्म का केवल फर्स्ट कट था। यह एक तरह का टेस्ट एक्सपेरिमेंट था, क्योंकि दीपावली पर सिनेमाघरों में रिलीज होने से पहले फिल्म पर लगातार काम किया जा रहा है।

दो पार्ट में रिलीज होगी 'रामायण': नितीश तिवारी द्वारा निर्देशित और नमित मल्होत्रा द्वारा निर्मित 'रामायण' दो पार्ट में रिलीज होनी है। फिल्म का पहला पार्ट इस साल दीपावली पर सिनेमाघरों में रिलीज होगा। इस फिल्म को काफी बड़े स्तर पर बनाया गया है। यहां तक कि इसे बॉलीवुड के इतिहास की सबसे महंगी फिल्मों में से एक माना जा रहा है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे, जबकि साई पल्लवी सीता और यश रावण का किरदार निभाएंगे। इसके अलावा सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के रूप में दिखाई देंगे। इन प्रमुख कलाकारों के अलावा भी फिल्म में एक बड़ी स्टारकास्ट होने की चर्चाएं हैं, जिनमें अरुण गोविल, लारा दत्ता, रकुल प्रीत सिंह, कुणाल रॉय कपूर, राघव जुयाल और शीबा चड्ढा जैसे कलाकारों के नामों की चर्चा चल रही है।

एआर रहमान के साथ हंस जिमर ने तैयार किया है संगीत: फिल्म को इंटरनेशनल लेवल पर भी प्रस्तुत करने की योजना है। फिल्म में एआर रहमान के संगीत के साथ हॉलीवुड स्टार म्यूजीशियन हंस जिमर का सहयोग है, जिन्होंने संगीत तैयार करने के लिए हाथ मिलाया है। इतने बड़े नामों के जुड़ने और एक विशाल सांस्कृतिक महत्व की कहानी के केंद्र में होने के कारण, उम्मीदें स्वाभाविक रूप से बढ़ गई हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में सिख को अगवा कर हत्या की, इरादतन निशाना नहीं

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका में 57 वर्षीय एक सिख अवतार सिंह का अपहरण होने के कुछ दिन बाद उनका शव मिला है। अधिकारी बोले, उन्हें किसी इरादे के तहत निशाना नहीं बनाया गया है। अवतार सिंह 17 फरवरी की रात कैलिफोर्निया के ट्रेसी शहर से लापता हुए थे। जांच के दौरान सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में एक सफेद एसयूवी और गहरे रंग के कपड़े पहने तीन अज्ञात व्यक्तियों को सिंह के साथ देखा गया। इसमें ऐसा लगा कि सिंह अपनी मर्जी के विरुद्ध वाहन में बैठे। सैन जोआक्विन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि 20 फरवरी को नापा काउंटी के शेरिफ कार्यालय ने लेक बेरीएसा के पास उनका शव बरामद किया। अधिकारियों ने कहा, मामले की जांच हो रही है और जिम्मेदार लोगों की पहचान की जा रही है।

किसी अन्य पर था अपहर्ताओं का निशाना

एक रिपोर्ट के अनुसार, सैन जोआक्विन काउंटी शेरिफ पैट्रिक विद्रो ने कहा, आरोपियों का इरादा सिंह को अगवा कर उनकी हत्या करना नहीं था। अपहरणकर्ता किसी अन्य व्यक्ति पर किसी विशेष कारण से निशाना साध रहे थे और उम्मीद है कि वह कारण सामने आएगा।

ऑस्ट्रेलियाई पीएम को बम की धमकी, खाली कराया आवास

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंतोनियो अल्बनीज को एक बम धमकी के बाद मंगलवार देर रात कैनबरा स्थित उनके आधिकारिक आवास से कुछ घंटों के लिए हटा दिया गया। हालांकि, बाद में जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिलने पर वे लौट आए। पुलिस ने कहा, धमकी भरे ईमेल प्रतिबंधित चीनी नृत्य समूह शेन यून को भेजे गए थे। इसमें दावा किया था कि यदि समूह ने ऑस्ट्रेलिया में प्रदर्शन किया तो पीएम आवास के पास रखे विस्फोटक सक्रिय कर दिए जाएंगे।

इंडोनेशिया : 11 साल सजा काटने के बाद हत्यारा रिहा, देश निकाला

बाली, एजेंसी। इंडोनेशिया ने बाली के चर्चित सूटकेस मर्डर मामले में 11 साल की सजा काट चुके अमेरिकी नागरिक टॉमी शैफर को रिहा कर मंगलवार को देश से निष्कासित कर दिया। साल 2014 में बाली में अपनी प्रेमिका की मां शीला वॉन वीसे-मैक की हत्या के लिए शैफर को 18 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद अच्छे आचरण के कारण सजा में छूट मिलने के बाद उसे बाली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अमेरिका भेजा गया। बता दें कि मामले में शैफर की प्रेमिका हीदर मैक को भी गिरफ्तार किया गया था।

म्यांमार में सैन्य पकड़ होगी मजबूत खिन यी संभालेंगे संसद की कमान

नेप्यीडॉ, एजेंसी। म्यांमार में हालिया चुनावों के बाद सेना समर्थित पार्टी यूएसपीडीपी सत्ता पर पूर्ण नियंत्रण की तैयारी में है। सूत्रों के अनुसार, सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर जनरल और पार्टी प्रमुख खिन यी को संसद के निचले सदन का अध्यक्ष (स्पीकर) नियुक्त किया जा सकता है। यह पद राष्ट्रपति चुनाव और विधायी प्रक्रियाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। चुनाव में यूएसडीपी ने 81 फीसदी सीटें जीती हैं। जानकारी के मुताबिक, एक नई पांच सदस्यीय यूनियन कंसल्टेटिव काउंसिल का गठन किया जाएगा। इससे सैन्य प्रमुख मिन आंग ह्लाइंग के लिए राष्ट्रपति बनने का मार्ग प्रशस्त होगा।

श्रीलंका : पूर्व खुफिया प्रमुख की गिरफ्तारी

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के पूर्व राज्य खुफिया सेवा प्रमुख सुरेश सैली को 2019 के ईस्टर धमाकों की जांच के सिलसिले में बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सैली को पुलिस के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने कोलंबो के उपनगर पेलियागोड़ा में उस समय हिरासत में लिया, जब वह एक गैर-सरकारी संगठन में काम करने जा रहे थे।

सूडान में अत्याचार पर संयुक्त राष्ट्र की कार्रवाई

खार्तूम, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सूडान के अर्धसैनिक संगठन रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) के चार कमांडरों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन पर दारफुर के एल-फाशेर शहर में आम लोगों की हत्या और अत्याचार करने का आरोप है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि आरएसएफ ने गैर-अरब समुदाय के लोगों को निशाना बनाया, बड़े पैमाने पर हत्याएं कीं और महिलाओं के साथ यौन हिंसा की। बताया गया कि हजारों लोग मारे गए और कई लोग अब भी लापता हैं। जिन लोगों पर प्रतिबंध लगाया गया है उनमें आरएसएफ के प्रमुख जनरल मोहम्मद हमदान डगालो और उनके भाई अब्दुल रहीम डगालो भी शामिल हैं।

भारतीय ध्वज संहिता-2002’ की पालना करना सभी के लिए अनिवार्य : डीसी

राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना सभी का नैतिक दायित्व

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । भारतीय राष्ट्रीय ध्वज देशवासियों की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। भारत का राष्ट्रीय ध्वज हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। हमारे राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार ने राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए कुछ कोड बनाए हैं। डीसी डॉ. विवेक भारती ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय ध्वज का प्रदर्शन प्रतीक और नाम (अनुचित उपयोग की रोकथाम) अधिनियम-1950 और राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम-1971 के प्रावधानों द्वारा नियंत्रित होता है। भारतीय ध्वज संहिता-2002 राष्ट्रीय ध्वज से संबंधित ऐसे सभी कानूनों, सम्मेलनों, निर्देशों को एक साथ लाने का एक प्रयास है। भारतीय ध्वज संहिता-2002 में उन गणमान्य व्यक्तियों के नाम सूचीबद्ध किए गए हैं, जो अपने वाहनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहरा सकते हैं, जब भी वे इसे आवश्यक या उचित समझें। जब कोई विदेशी गणमान्य व्यक्ति भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई कार में यात्रा करता है, तो हमारा राष्ट्रीय ध्वज कार के दाईं ओर फहराया जाएगा और विदेशी देशों का झंडा कार के बाईं ओर फहराया जाएगा।डीसी डॉ. विवेक भारती ने बताया कि राष्ट्र ध्वज के प्रति हर एक भारतवासी का सार्वभौमिक लगाव, आदर तथा वफादारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम-1971 तथा भारतीय झंडा संहिता-2002 (2021 एवं 2022 में यथा संशोधित) राष्ट्रीय ध्वज के प्रयोग, ध्वजारोहण व संप्रदर्शन को नियंत्रित करते हैं। इस अधिनियम की विस्तृत जानकारी

एमएचए.जीओवी.इन वेबसाइट पर उपलब्ध है।

डीसी ने जिले वासियों से आह्वान करते हुए कहा कि वे राष्ट्र ध्वज को पूरा सम्मान दें। भारतीय झंडा संहिता के अनुसार जनता द्वारा कागज से बने राष्ट्रीय झंडो को महत्वपूर्ण राष्ट्रीय, सांस्कृतिक और खेलकूद के अवसरों पर हाथ में लेकर लहराया जा सकता है, लेकिन इस दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि जनता द्वारा प्रयोग किए गए कागज से बने राष्ट्रीय झंडों को समारोह के पूरा हो जाने के पश्चात न तो विकृत किया जाए और न ही इन्हें जमीन पर फेंका जाए। ऐसे झंडों का निपटान एकांत में उनकी मर्यादा के अनुरूप ही किया जाए। उन्होंने बताया कि तिरंगा कभी भी फटा या मैला नहीं फहराया जाना चाहिए। अशोक चक्र में 24 तीलियों का होना जरूरी है। झंडे के किसी भाग को जलाने नुकसान पहुंचाने के अलावा मौखिक या शाब्दिक तौर पर इसका अपमान करने पर तीन साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। झंडे पर कुछ भी बनाना या लिखना गैरकानूनी है। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को किसी भी प्रकार के यूनिफॉर्म, वर्दी में इस्तेमाल में नहीं लाया जा सकता। किसी भी स्थिति में तिरंगा जमीन को छूना नहीं चाहिए।

राष्ट्रीय ध्वज का अपमान व नियम के विरूद्ध ध्वजारोहण करने पर तीन साल की सजा

डीसी ने बताया कि किसी अन्य झंडे को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा से ऊंचा नहीं लगा सकते। साल 2002 से पहले राष्ट्रीय ध्वज को आम लोग सिर्फ स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर ही फहरा सकते थे, लेकिन साल 2002 में इंडियन फ्लैग कोड में बदलाव किया गया, जिसके तहत कोई भी नागरिक किसी भी दिन झंडे को फहरा सकता है। झंडा अगर फट जाए या फिर मैला हो जाए तो उसे एकांत में मर्यादित तरीके से नष्ट करना चाहिए। नियमों के मुताबिक झंडे का आकार आयताकार, रेक्टेंगुलर होना चाहिए। इसकी लंबाई और चौड़ाई का अनुपात 3:2 का होना चाहिए। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय ध्वज के अपमान पर राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम-1971 और भारतीय झंडा संहिता-2021 के तहत कार्रवाई हो सकती है। कोई व्यक्ति राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करते, इसे जलाते, दूषित करते, कुचलते या नियम के खिलाफ ध्वजारोहण करते हुए पाया जाता है तो उसे तीन साल की जेल या जुर्माना या दोनों दंड के रूप में मिल सकते हैं।

विद्या भारती पब्लिक स्कूल, निजामपुर के 22 छात्र सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में सफल

भीम प्रज्ञा न्यूज.निजामपुर।

विद्या भारती पब्लिक स्कूल, निजामपुर के विद्यार्थियों ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में सफलता हासिल की है। विद्यालय के 22 छात्र-छात्राओं ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा को उत्तीर्ण कर स्कूल एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार सैनिक स्कूल व नवोदय विद्यालय के पाठ्यक्रम की अतिरिक्त कक्षाएं नियमित रूप से संचालित की जाती हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम इस वर्ष भी देखने को मिले हैं। कक्षा 5 के जिन विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की है, उनमें मानवी पुत्री सुशील (बशीरपुर), रितिका पुत्री मनीष (गांवड़ी जाट), धवन पुत्र नरेश सिंह (ढाणा मथुरादास), यश शेखावत पुत्र सुभाष सिंह (बसई), आयुष पुत्र जय सिंह (बेसरड़ा), वंश पुत्र देवेन्द्र (घाटाशेर), रोनक पुत्र राजेश (नारेड़ी), हेमंत पुत्र दयाराम (जमालपुर), प्रवेश पुत्र निरंजन सिंह (किशनपुरा), पार्थ पुत्र गणेश राम सैनी (डाबला), मोक्ष पुत्र शुभराम (पवेरा), गौरव पुत्र फूल सिंह (त्यौंदा), आयुष स्वामी पुत्र मनीष कुमार (कंवर का नांगल), दक्ष पुत्र जितेन्द्र (निजामपुर), निक्कू पुत्री गोविंद (पवेरा), रिया पुत्री नरेश कुमार (नापला), सेजल पुत्री धर्मवीर (निजामपुर), आनवी चौधरी पुत्री हरदीप (छिलरो), छवि मीना पुत्री मनीराम (सिहोड़), डिम्पल पुत्री विजय कुमार (किशनपुरा), लक्षी पुत्री जितेन्द्र सिंह (निजामपुर) एवं हंसिका पुत्री संजीव कुमार यादव (डाबला) शामिल हैं। विद्यालय प्रांगण में आयोजित सम्मान समारोह में संस्था के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने सभी सफल विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्था की वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव, प्रबंध निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव, निदेशक डॉ. रविन्द्रा यादव, प्राचार्य विनोद यादव, किड्स ब्लॉक इंचार्ज विजय सोनी सहित समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहें। चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि बच्चों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने सभी स्टाफ व अभिभावकों का आभार व्यक्त किया तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वर्ल्ड ट्रेड सेंटर का आखिरी टावर बनेगा

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर परिसर का आखिरी ऑफिस टावर अब बनने जा रहा है। 2 वर्ल्ड ट्रेड सेंटर नाम की यह इमारत अमेरिकन एक्सप्रेस कंपनी का नया मुख्यालय बनेगी। 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमले में पुराने टावर नष्ट हो गए थे। उसके बाद से इस जगह का पुनर्निर्माण धीरे-धीरे हो रहा है। अब लगभग 25 साल बाद आखिरी बड़ी इमारत का निर्माण शुरू होगा। यह 55 मंजिला इमारत होगी और 2031 तक तैयार होने की उम्मीद है। इसमें करीब 10,000 कर्मचारी काम कर सकेंगे। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने इसे शहर के लिए बड़ा कदम बताया है। कंपनी ने कहा कि यह उनके भविष्य में निवेश है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धोखाधड़ी रोकने के लिए जस्टिस डिपार्टमेंट में नया नेशनल फ्रॉड एन्फोर्समेंट डिवीजन बनाने की घोषणा की है। इस विभाग का नेतृत्व कॉलिन मैकडोनाल्ड करेंगे। ट्रंप ने हाल में कहा था कि सरकार ‘फ्रॉड के खिलाफ युद्ध’ छेड़ रही है। खासकर मिनेसोटा में अरबों डॉलर की कथित धोखाधड़ी की जांच को लेकर सख्ती दिखाई जा रही है। हालांकि कुछ आलोचकों का कहना है कि पहले से ही फ्रॉड मामलों के लिए विभाग मौजूद है, फिर नया विभाग बनाने की जरूरत क्यों है। सुनवाई के दौरान मैकडोनाल्ड ने कहा कि वे बिना किसी डर या पक्षपात के कानून के अनुसार काम करेंगे। इस फैसले को लेकर अमेरिका में बहस जारी है।

नॉर्वे के राजा अस्पताल में भर्ती : ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे के 89 वर्षीय राजा हेराल्ड पंचम को स्पेन के टेनेरिफे द्वीप पर अस्पताल में भर्ती किया गया है। वे अपनी पत्नी क्वीन सोन्या के साथ छुट्टी मनाने गए थे। डॉक्टरों ने बताया कि उनके पैर में त्वचा का संक्रमण हो गया है, जिसके इलाज के लिए उन्हें कुछ दिन और अस्पताल में रहना होगा। राजमहल की ओर से कहा गया है कि उनकी सेहत फिलहाल स्थिर है और वे इलाज का अच्छा असर दिखा रहे हैं। डॉक्टर ने यह भी कहा कि 90 साल के करीब उम्र में संक्रमण गंभीर हो सकता है, इसलिए पूरी जांच के बाद ही उन्हें छुट्टी दी जाएगी। दो साल पहले भी वे मलयेशिया में छुट्टियों के दौरान बीमार पड़े थे और उन्हें अस्थायी पेसमेकर लगाया गया था। बाद में नॉर्वे लौटकर स्थायी पेसमेकर लगाया गया। राजा हेराल्ड 1991 से नॉर्वे के राजा हैं।

जिला फतेहाबाद परिवाद समिति में 12 मामलों का मौके पर निपटारा, शेष पर कमेटी गठित कर एटीआर के निर्देश

डीसी डॉ. विवेक भारती की अध्यक्षता में जिला लोक सम्पर्क एवं जन परिवाद समिति की बैठक संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से जिला लोक सम्पर्क एवं जन परिवाद समिति की बैठक डीसी डॉ. विवेक भारती की अध्यक्षता में स्थानीय डीपीआरसी हॉल में आयोजित की गई। बैठक में कुल 14 परिवाद प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 12 मामलों का मौके पर ही समाधान किया, जबकि शेष दो मामलों में कमेटी गठित कर अगली बैठक में विस्तृत कार्यवाही रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान डीसी ने स्पष्ट कहा कि जन शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी अधिकारी निर्धारित समयसीमा में कार्रवाई सुनिश्चित करें।

सीसीटीवी कैमरे जल्द हों चालू, पुलिस विभाग को निर्देश - टोहाना निवासी कर्ण शर्मा के परिवाद पर सुनवाई करते हुए उपायुक्त ने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि टोहाना शहर में बंद पड़े सीसीटीवी कैमरों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उन्हें शीघ्र दुरुस्त कर सुचारू रूप से संचालित किया जाए, ताकि शहर की सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत हो सके। पुलिस इन्हें सुरक्षित और ठीक करवाने के विकल्प तलाश करे और इन्हें सुचारू करें।

मानवीय दृष्टिकोण से ढाणी तक रास्ता उपलब्ध करवाने के निर्देश - कर्मचन्द निवासी बिघड़ की शिकायत पर डीसी ने एसडीएम फतेहाबाद व जन परिवाद समिति सदस्य सीताराम को निर्देश दिए कि मामले के मानवीय पहलू को ध्यान में रखते हुए प्रार्थी की ढाणी तक रास्ता उपलब्ध करवाने के लिए समन्वय स्थापित कर समाधान निकाला जाए।

बरसाती पानी निकासी के पुख्ता प्रबंध के आदेश - रविन्द्र निवासी भूथन खुर्द की शिकायत पर डीसी डा. विवेक भारती ने कार्यकारी अभियंता, जिला परिषद को निर्देश दिए कि गांव में बरसाती पानी की निकासी का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा पुलिया पर मिट्टी डलवाकर रास्ते को सुगम बनाया जाए। अधिकारियों ने बताया कि सिंचाई विभाग की मांग के अनुसार तीन पुलियों में से दो का निर्माण पूर्ण हो चुका है तथा एक का कार्य प्रगति पर है। इसके पूर्ण होते ही पानी निकासी में आ रही बाधा समाप्त हो जाएगी।

स्कूलों में शौचालयों की तुरंत मरम्मत के निर्देश - गांव डूल्ट निवासी सुखविंदर सिंह के परिवाद पर डीसी ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि मिडल व प्राइमरी स्कूलों के खराब शौचालयों की तत्काल मरम्मत करवाई जाए तथा आवश्यकता अनुसार नए शौचालय निर्माण के प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र भेजे जाएं, ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

निर्माणाधीन सडक़ का लेवल सुधारे, पेड़ों की अनुमति लेकर हटाने के निर्देश - गांव ढाणी सांचला निवासी नत्थू राम व अन्य के परिवाद पर डीसी डा. विवेक भारती ने भुना से ढाणी सांचला तक निर्माणाधीन सडक़ के लेवल को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। साथ ही मार्ग में बाधा बन रहे पेड़ों को नियमानुसार अनुमति लेकर शीघ्र हटाने को कहा।

गूगल का चीन के वैश्विक जासूसी नेटवर्क का खुलासा, 53 देशों में की थी साइबर हमलों की कोशिश

न्यूयॉर्क, एजेंसी। तकनीकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी गूगल ने एक बेहद संगठित और खतरनाक अंतरराष्ट्रीय साइबर जासूसी नेटवर्क को ध्वस्त करने का दावा किया है। बुधवार को गूगल ने बताया कि चीन से जुड़े एक हैकिंग समूह यूएनसी2814 (जिसे गैलियम भी कहा जाता है) ने दुनिया भर के 42 देशों के कम से कम 53 प्रमुख संगठनों के डेटा में सेंध लगाई थी।

गूगल थ्रेट इंटेलिजेंस ग्रुप के मुख्य विश्लेषक जॉन हल्टक्विस्ट ने कहा कि यह एक विशाल जासूसी तंत्र था, जिसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर व्यक्तियों और विशिष्ट संस्थानों की निगरानी करना था। यह समूह लगभग एक दशक से सक्रिय है।

गूगल का दावा: किसी उत्पाद की तकनीकी खामी नहीं... वैसे, गूगल ने स्पष्ट किया कि यह किसी उत्पाद की तकनीकी खामी नहीं, बल्कि प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग था। हैकरों ने ग्रिडटाइड नामक एक गुप्त बैकडोर स्थापित किया था, जिससे उन्हें लोगों के नाम, फोन नंबर, जन्म तिथि, मतदाता पहचान पत्र और नेशनल आईडी जैसे बेहद निजी डेटा तक पहुंच मिल गई थी।

कॉल डेटा रिकॉर्ड की चोरी करना था उद्देश्य : हल्टक्विस्ट ने कहा कि जासूसी नेटवर्क विशेष रूप से सरकारी संस्थाओं और दूरसंचार कंपनियों को अपना निशाना बनाता रहा है। हालांकि, गूगल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए हैकिंग समूह की ओर से नियंत्रित क्लाउड प्रोजेक्ट को बंद कर दिया है और उनके इंटरनेट बुनियादी ढांचे को निष्क्रिय कर दिया है। हमलों का उद्देश्य कॉल डाटा रिकॉर्ड और एसएमएस संदेशों की चोरी करना था।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले- ईरान आतंकवाद का सबसे बड़ा गढ़

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में अमेरिकी वॉरशिप और सैनिकों की तैनाती के बीच उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान को सख्त संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की कूटनीति को कमजोरी न समझा जाए और जरूरत पड़ी तो सैन्य विकल्प भी इस्तेमाल होगा। वेंस ने कहा कि सैन्य कार्रवाई की धमकियों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। फॉक्स न्यूज से बातचीत में वेंस ने कहा- हमें ऐसी स्थिति में पहुंचना होगा जहां ईरान, जो दुनिया में आतंकवाद का सबसे बड़ा गढ़ है, परमाणु आतंकवाद से दुनिया को धमकी न दे सके। सनकी, क्रूर और दुनिया के सबसे खतरनाक शासन को परमाणु हथियार रखने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प कूटनीतिक समाधान चाहते हैं, लेकिन उनके पास अन्य विकल्प भी मौजूद हैं और वे उनका इस्तेमाल करने की इच्छा दिखा चुके हैं। ट्रम्प ने बुधवार को संसद में अपने संबोधन के दौरान आरोप लगाया था कि ईरान अमेरिका तक मार करने में सक्षम मिसाइलें विकसित कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान पिछले साल अमेरिकी हमलों के बाद अपने परमाणु कार्यक्रम को दोबारा खड़ा करने की कोशिश कर रहा है।

वेंस बोले- बातचीत का अंतिम फैसला ट्रम्प के हाथ में है जब वेंस से पूछा गया कि क्या ईरान के सर्वोच्च नेता को हटाना भी अमेरिका का लक्ष्य है, तो उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए अंतिम फैसला राष्ट्रपति ट्रम्प करेंगे। वेंस ने कहा कि बातचीत कितने समय तक जारी रखनी है, इसका अंतिम फैसला राष्ट्रपति ट्रम्प करेंगे। उन्होंने कहा- हम कोशिश जारी रखेंगे। लेकिन राष्ट्रपति के पास यह अधिकार है कि वे तय करें कि कूटनीति अपनी सीमा तक पहुंच गई है या नहीं। हमें उम्मीद है कि इस बार बातचीत बुरे अंजाम तक नहीं पहुंचेगी, लेकिन अगर पहुंचती है तो फैसला राष्ट्रपति ही करेंगे। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ईरान अगले दो हफ्तों में ज्यादा बड़ा प्रस्ताव देगा, जिससे दोनों पक्षों के बीच मतभेद कम किए जा सकें।

सांसद सुभाष बराला ने सुनीं जनसमस्याएं, केंद्र व राज्य की योजनाओं का लाभ समय पर देने के दिए निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने शनिवार को अपने आवास पर क्षेत्र के नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र एवं प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। विभिन्न गांवों और शहरी क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने सांसद के समक्ष बिजली, पानी, सड़क, सीवरेज, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पारिवारिक पहचान पत्र तथा अन्य विभागीय मामलों से जुड़ी समस्याएं रखीं। सांसद ने प्रत्येक प्रार्थी की बात ध्यानपूर्वक सुनते हुए कई मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से समाधान की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए। सांसद ने कहा कि केंद्र एवं हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र व्यक्तियों को प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, किसान सम्मान निधि तथा राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। सांसद सुभाष बराला ने कहा कि जनसेवा मेरा कर्तव्य ही नहीं, बल्कि मेरा संकल्प है। क्षेत्र की जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना और उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता का विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिन मामलों में विभागीय स्तर पर लंबित कार्यवाही है, उनकी नियमित समीक्षा की जाए और निर्धारित समय सीमा के भीतर निपटारा सुनिश्चित किया जाए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com